RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 259 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 19-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस का रुख 'सामंती मानसिकता' : स्मृति ईरानी

6 हवलदार जयपाल सिंह: शरीर से खून बहता रहा, लेकिन बंदूक आग उगलती रही

7 'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही : सायंतनी घोष

फर्स्ट टेक

अमृतसर में 64 किलोग्राम हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शनिवार को दावा किया कि अमृतसर में सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 64.62 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि पंजाब सरकार के नशा-विरोधी अभियान को 64.62 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी के साथ बड़ी सफलता मिली है। पंजाब पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस शाखा और अमृतसर में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ इस अभियान में शामिल थे। आरोपियों की पहचान सरवन सिंह उर्फ गुज्जर और शमशेर सिंह उर्फ शेरा के रूप में हुई है, दोनों अमृतसर के निवासी हैं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपियों के संबंध पुर्तगाल में स्थित उनके आकाओं और पाकिस्तान में रहने वाले तस्करों से हैं। अमृतसर में पुलिस थाना एसएसओसी में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अबूझ पहेली

परिणामों के विश्लेषण से,
कुछ की धरती धूज रही।
कुछ को आश्वासन के दम पर,
हरी-हरी ही सूझ रही।
किनका कैसे करें समर्थन,
मन वांछाएं जूझ रही।
लोकतंत्र की यही पहेली,
सबके के लिए अबूझ रही।।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा

न्यायसंगत विकास वही जो पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायसंगत विकास वही है जो पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत की प्रगति पारिस्थितिक स्थिरता और ऊर्जा न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि देश को विकास की हमारी अकांक्षा और हरित भविष्य के प्रति ''हमारी निष्ठा'' के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने के लिए तैयार और सुसज्जित होना चाहिए। भारत का विकास पारिस्थितिक स्थिरता और ऊर्जा न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को विकास की हमारी अकांक्षा और हरित भविष्य के प्रति ''हमारी प्रतिबद्धता'' के बीच एक नाजुक संतुलन स्थापित करने के लिए तैयार और सुसज्जित होना चाहिए।

सतत ऊर्जा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : भारत के लिए 2047 का एजेंडा' को संबोधित करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि 2047 के लिए भारत की परिकल्पना न्याय पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरी राय में, आर्थिक विकास को पारिस्थितिक संवेदनशीलता के साथ सामंजस्य बिठाना आवश्यक है।

विपक्ष ने आरक्षण विधेयक को रोककर महिलाओं के सपनों को कुचला : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

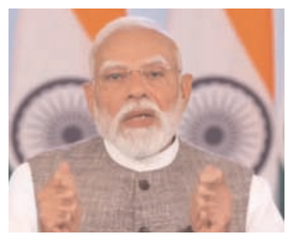

▪ **महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध करके विपक्ष ने पाप किया है और उसे इसके लिए निश्चित रूप से दंड मिलेगा।**

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विपक्षी दलों ने सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद संसद में महिला आरक्षण (संशोधन) विधेयक को पारित न होने देकर महिलाओं के सपनों को ''निर्दयतापूर्वक कुचल'' दिया है।

मोदी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के एक दिन बाद राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थ भरी राजनीति की कीमत देश की महिलाओं को चुकानी पड़ी है और इन दलों ने विधायी निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयासों को विफल कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं देश की सभी महिलाओं से क्षमा मांगता हूं।'' उन्होंने कहा, ''आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि भारत की महिलाओं की प्रगति किस प्रकार रुक गई है। देश की महिलाओं के सपनों को निर्दयतापूर्वक कुचल दिया गया है, और हमारे तमाम प्रयासों के बावजूद हम सफल नहीं हो सके।''

मोदी ने कहा कि महिलाओं ने देखा है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक जैसी पार्टियां महिला सशक्तीकरण के खिलाफ अपनी ''स्वार्थ भरी राजनीति का जश्न'' कैसे मनाती हैं। उन्होंने कहा, ''महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध करके विपक्ष ने पाप किया है और उसे इसके लिए निश्चित रूप से दंड मिलेगा। विपक्षी दलों ने विधेयक को विफल कर हमारे संविधान का अपमान किया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य किसी से कुछ भी छीने बिना महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था।

चार आतंकी गिरफ्तार

टॉय कार का इस्तेमाल कर हमले की थी साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार 'कट्टरपंथी' लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों की साजिश रची थी, कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी की थी और 'एन्क्रिप्टेड' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) और उससे जुड़ा सामान जब्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे।

जी20 उपग्रह को 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है : इसरो प्रमुख

हैदराबाद/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि जलवायु और वायु प्रदूषण का अध्ययन करने तथा मौसम की निगरानी करने के लिए डिजाइन किए गए जी20 उपग्रह को 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। डॉ. नारायणन ने यह भी कहा कि भारत पहला देश है जिसने एक ही रॉकेट का उपयोग करके 100 से अधिक उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं प्रधानमंत्री मोदी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट (तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें।

गांधी ने दावा किया कि ''प्रधानमंत्री ने हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।'' उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''कल (संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।'' उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं। वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।''

ईरान की 'बहादुर नौसेना' अपने शत्रुओं को 'करारी हार' देने के लिए तैयार : सर्वोच्च नेता

काहिरा/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि ईरान की ''बहादुर नौसेना'' ''अपने दुश्मनों को करारी हार देने के लिए तैयार है''। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान द्वारा प्रतिबंध फिर से लागू किए जाने के बाद सर्वोच्च नेता ने शनिवार को यह बयान दिया। ईरानी सेना की स्थापना की वर्षगांठ के मौके पर एक संदेश में, उन्होंने युद्ध के दौरान इजराइल और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ईरान के ड्रोन हमलों की सराहना की।

भारत आ रहे 14 जहाजों को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने से रोका : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत आ रहे कच्चे तेल और गैस से लदे 14 जहाजों के एक काफिले को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय रोक दिया और उनमें से दो जहाजों पर गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप 13 जहाज फारस की खाड़ी में अलग-अलग स्थानों पर लौट गए। घटनाक्रम से अवगत आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकार दी। होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते समय भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर आईआरजीसी की गोलीबारी हुई, जिसमें कच्चा तेल लदा हुआ था। जहाज की एक खिड़की का शीशा टूट गया, जिसके कारण उसे यात्रा रोककर वापस लौटना पड़ा। दूसरे जहाज को कितना नुकसान हुआ, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन वह भी वापस लौट चुका है। सूत्रों के अनुसार, हालांकि भारतीय ध्वज वाला एक अन्य जहाज जलडमरूमध्य से गुजरा और अब भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए कच्चा तेल लदा हुआ है। दो ईरानी 'गनबोट' लक्षित टैंकर के पास पहुंचीं और बिना किसी चेतावनी के उस पर गोलीबारी की। सूत्रों के अनुसार, 'गनबोट' ओमान से 37 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित टैंकर के पास पहुंचीं, जिसके कारण अन्य जहाजों को यात्रा पूरी किए बिना ही वापस लौटना पड़ा।

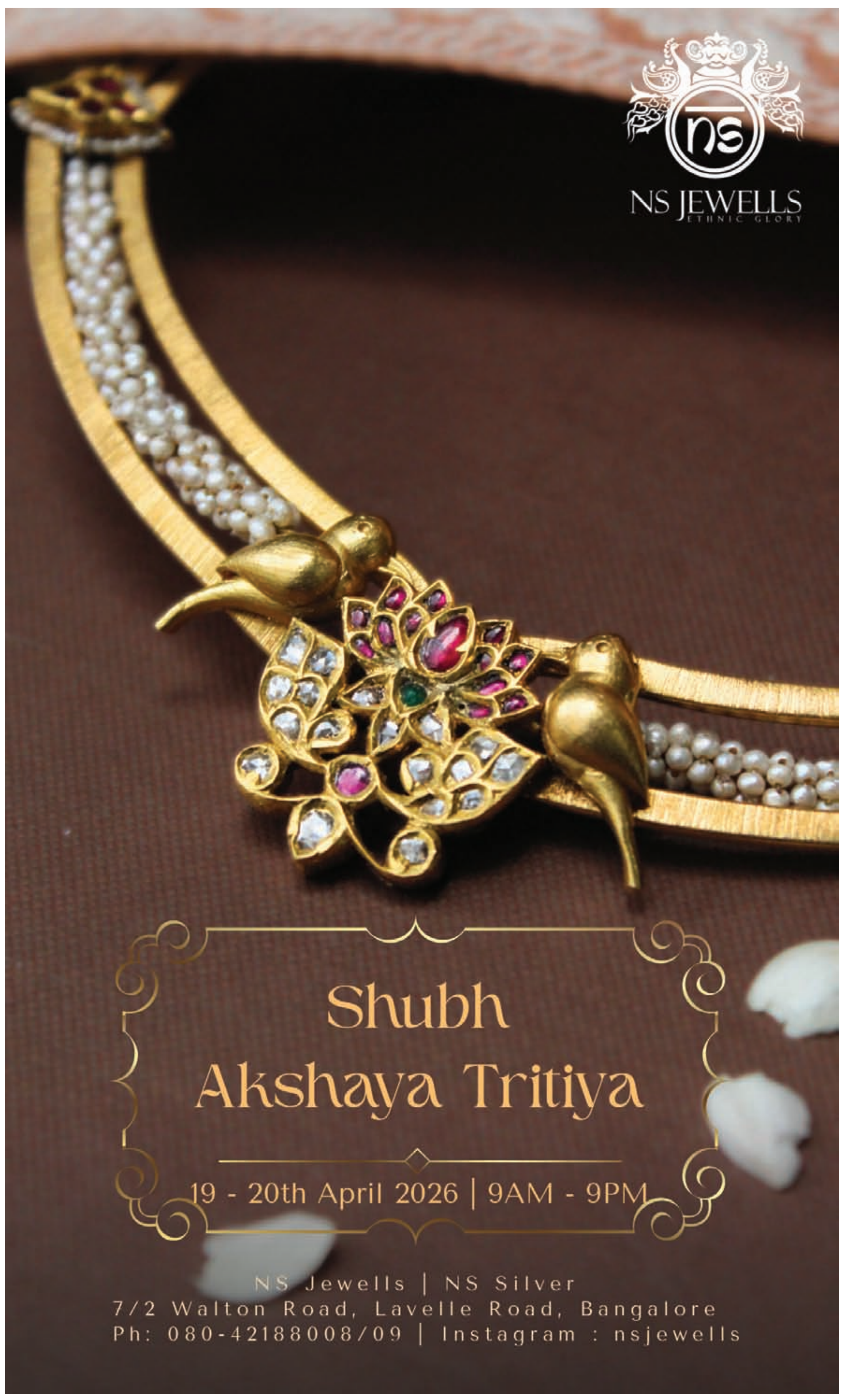

बाल शिक्षण संस्कार शिविर में 1200 बच्चों ने सीखे जैन सिद्धांत एवं संस्कार

स्वाध्याय संघ ने विभिन्न संघों के साथ मिलकर किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित दस दिवसीय बाल शिक्षण संस्कार शिविर का आयोजन बागलकोट, दोड्डबलापुर, केजीएफ सहित कुल 22 केंद्रों पर किया गया जिसका 21 केंद्रों पर एक साथ शनिवार को समापन हो गया। शिविर में कुल 1200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर जैन धर्म के सिद्धांतों तथा जीवन निर्माण के संस्कारों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्वाध्याय संघ के 135 अध्यापकों ने कड़ा परिश्रम करके बालक बालिकाओं के जीवन में संस्कारों का बीजारोपण किया। जैन धर्म के सूत्रों एवं तत्त्वों का अध्ययन करवाने के साथ-साथ आहार विवेक, माता-पिता की सेवा, दैनिक धर्माराधना, आधुनिक उपकरणों के साथ मर्यादित आचरण आदि संस्कारों का प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया। शनिवार को समापन समारोह में संजयनगर, यशवंतपुर, मल्लेश्वरम, श्रीरामपुरम, राजाजीनगर, विजयनगर, ईटा गार्डन, पुष्कर भवन, पार्क वेस्ट, राजराजेश्वरीनगर, चामराजपेट, हनुमंतनगर, त्यागराजनगर, जयनगर, शांतिनगर, शूले, अलसूर, फ्रेजर टाउन, केजीएफ, दोड्डबलापुर एवं बागलकोट क्षेत्रों में शिविर के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न प्रकार की धार्मिक तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। ङ्गस्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़, उपाध्यक्ष पारसमणि रूणवाल, राजेन्द्रकुमार चोरड़िया, मंत्री मीठालाल पटवा, सहमंत्री अभय कुमार बांठिया व जवेरीमल पालगोता, कोषाध्यक्ष पन्नालाल कोठारी आदि सहित अनेक वरिष्ठ स्वाध्यायियों के नेतृत्व में अलग अलग क्षेत्रों में समापन समारोह आयोजित किया गया। शिविर में प्रशिक्षण देने वाले सभी 135 शिक्षकों का सम्मान किया गया।

दोड्डबलापुर में पहली बार आयोजित बाल शिक्षण संस्कार शिविर संपन्न

दोड्डबलापुर/दक्षिण भारत। शहर के जैन स्थानक भवन में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा पहली बार आयोजित बाल शिक्षण संस्कार शिविर संपन्न हुआ। पदमाबाई कांकरिया, नीताबाई कांकरिया एवं ऋषभकुमार कांकरिया के शिविर में 33 बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। इस समापन समारोह में स्वाध्याय संघ के वरिष्ठ स्वाध्यायी पुखराज कोठारी, युवा स्वाध्यायी अशोककुमार गन्ना व स्वाध्याय संघ के अध्यापकों को सम्मानित किया गया। स्वाध्याय संघ द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद बोहरा ने सबका स्वागत किया और संघ के मंत्री रमेश कवाड़ ने धन्यवाद दिया। ललित कुमार बोहरा ने अपने विचार व्यक्त किए। महेश कुमार कांकरिया ने संचालन किया।

धार्मिक शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ और स्थानकवासी जैन ट्रस्ट संघ शूले के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय जैन बाल संस्कार शिविर महावीर जैन भवन में सम्पन्न हुआ। शिविर में 42 बालक बालिकाओं ने धार्मिक शिक्षण प्राप्त किया। इस शिविर में तारा सांखला, शीतल गादिया,शशिकला मकाणा,ललिता बाई सांखला,दीया चोपड़ा और उनकी टीम ने प्रशिक्षण दिया।

अलसूर में बाल संस्कार शिविर में 80 बच्चों ने भाग लिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित दस दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर महावीर भवन में संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर वरिष्ठ स्वाध्यायी मीठालाल मकाना एवं भरत सांखला अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

महिला मंडल की अध्यक्षा आशाबाई बोहरा ने शिविर की रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि इस शिविर में 80 बच्चों ने भाग लिया तथा धार्मिक ज्ञान के अलावा संस्कारों एवं विनय व्यवहार के गुण सीखे। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि नौ अध्यापिकाओं के निर्देशन में शिविरार्थियों ने कंठस्थ पाठों को सुनाया। राजेश्वरी तातेड़ ने संचालन किया।

बिहू साम्रागी 2026 की विनर गुवाहाटी की संगीता राभा, कृष्णा के साथ गुवाहाटी के लतासिल प्लेग्राउंड में गुवाहाटी बिहू संमिलन के दौरान गोलाघाट के हातिमुरिया, जो बिहू कुंवारी के विनर हैं, और लखीमपुर के बरशा बुरागोहेन, जो बिहू रानी के विनर हैं।

सहज स्मृति योग

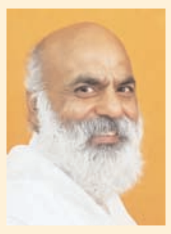

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैंने बायोलॉजी से बारहवीं की परीक्षा दी है। मुझे पता है कि मेरा रिज़ल्ट अच्छा आएगा इसलिए उसकी चिंता नहीं है मुझे। कंप्टीशन से भी डर नहीं है, मेडिकल प्रोफेशन में अपनी जगह बना ही लूंगी मैं। मेरे पास सबकुछ अच्छा है लेकिन, दुनियाँ को देखकर एक अजीब सा ख़ालीपन रहता है मुझमें। पूरी दुनियाँ में कोई ऐसा नहीं जो मुझे आदर्श लग पाए। इस ख़ालीपन से कैसे निपटूँ मैं?

उत्तर: अर्थहीनता, रिक्तता, अलगाव, ख़ालीपन, व्यर्थता बोध ये सब शब्द एक ही भाव की ओर संकेत करते हैं और यह वह भाव है जो मानव के मनोविज्ञान और उसके मानव जीवन मूल्यों के साथ सम्बन्ध के बारे में स्पष्टता न होने से उत्पन्न होता है। इससे निपटने के लिए आप शाश्वत जीवन मूल्यों का मानव जीवन के साथ जो सम्बन्ध है उस सम्बन्ध की प्रकृति का अध्ययन कीजिए और उस सम्बन्ध बोध से प्राप्त हुई दृष्टि से अपने स्वभाव का दर्शन कीजिए। स्वभाव का दर्शन कर उसी के अनुसार वर्तिए अर्थात अपना पारस्परिक दैनंदिन व्यवहार कीजिए। तब आपका ख़ालीपन जाता रहेगा। आदर्श का अर्थ होता है ऐसा दर्पणवत व्यवहार जिसमें अनवरत आत्म दर्शन सम्भव बना रहता है। ऐसा कर पाएँ तो आप स्वयं को ही आदर्श में रूपांतरित हुआ पा सकतीं हैं। तब आपको दिखेगा कि आप से पूर्व जैसे ऐसे बहुत से लोग हुए हैं जिनके चरित्र आदर्श रहे वैसे ही अब आपकी बारी है। इस बोध से आपका न केवल खालीपन जाता रहेगा बल्कि विनयशीलता, सहजता और सरसता भी आपके अनुभव में आएगी।

आत्मिक शांति होना चाहिए जीवन का उद्देश्य : ब्रह्मर्षि भानुप्रताप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लालबाग रोड क्रॉस में आयोजित संत सम्मेलन में शनिवार को ग्वालियर के बालाजी मठ मंदिर धार्मिक एवं पुण्यार्थ लोक न्यास के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि भानुप्रताप दुबे ने अपने प्रवचन में कहा कि आध्यात्म एवं ब्रह्मज्ञान के प्रकाश से मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। जीवन का उद्देश्य आत्मा की शुद्धि, आंतरिक शांति, आत्मबोध तथा परम सत्य ब्रह्मज्ञान परमात्मा से परिचित होना है। उन्होंने ब्रह्मज्ञान की महत्ता व जीवन में धर्म कर्म और मोक्ष के मार्ग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मंजिल पर पहुंचना है, साथ ही ध्यान साधना और योग के माध्यम से मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के उपाय को समझना अति आवश्यक है। मानव जीवन में इस दिव्य ज्ञान का लाभ उठाकर हमें अपने जीवन को नई दिशा देना चाहिए। जीवन को सकारात्मक दिशा देकर शांति और भाईचारे को बढ़ावा देना हितकर एवं महत्वपूर्ण उपलब्धि है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सांस्कृतिक उत्सव 'जेनेसिस'

बेंगलूरु के सेंट एंथोनी महाविद्यालय केंगेरी में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 'जेनेसिस-2026' का आयोजन किया गया जिसमें अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, दृढ़ संकल्प कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच सफलता का मंत्र है। महाविद्यालय प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

अन्नाद्रमुक मुखौटा, भाजपा तमिलनाडु में मोदी की सुनने वाला 'कठपुतली मुख्यमंत्री' चाहती है : राहुल

तिरुचिरापल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक तो सिर्फ एक मुखौटा है और भाजपा तमिलनाडु में एक ऐसे मुख्यमंत्री को सत्ता में लाना चाहती है जो राज्य को बेच दे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हर बात माने। गांधी ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक के नेता भ्रष्टाचार के कारण दबाव में हैं।

यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी हर कीमत पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन को मुख्यमंत्री पद से हटाकर उनकी जगह एक कठपुतली को नियुक्त करना चाहती है। गांधी की यह रैली 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए राज्य में उनके एक दिवसीय चुनाव अभियान की तीसरी और अंतिम रैली थी। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक को तमिलनाडु की एक ऐतिहासिक पार्टी बताया जिसने राज्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, आज की अन्नाद्रमुक पुरानी पार्टी से मौलिक रूप से भिन्न है। यह अलग इसलिए है क्योंकि आज की अन्नाद्रमुक भाजपा का मुखौटा है। यह वह तरीका है जिससे भाजपा-आरएसएस तमिलनाडु में घुसपैठ करना चाहती है। वे तमिलनाडु में घुसपैठ क्यों करना चाहते हैं? क्योंकि वे आपकी संस्कृति, परंपरा और आपकी भाषा से नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, तमिल कोई साधारण भाषा नहीं है, बल्कि यह तमिलनाडु के लोगों की आत्मा है।

भाजपा तमिल मानसिकता, तमिल भावना, स्वतंत्रता की भावना और तमिल लोगों की बौद्धिक स्वतंत्रता की कद्र नहीं करती। इसीलिए उन्होंने अन्नाद्रमुक की आत्मा पर कब्जा कर लिया है। गांधी ने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक के नेता भ्रष्टाचार के कारण बदनाम हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग उनके खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं और उनका भ्रष्टाचार ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है।

स्वाभिमान का कोई तोल-मोल नहीं : विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के शांतिनाथ वर्षीतप आयोजन समिति की ओर से गदग के उत्सव भवन में पारणा महोत्सव का आयोजन किया गया। शनिवार को देश के अनेक गांवों-शहरों से आए श्रद्धालुओं को महोत्सव का मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि श्रद्धा और स्वाभिमान अमूल्य तत्व हैं। ये हर किसी में पाए नहीं जाते। आधुनिक युग में तो मोल-तोल से हर कोई बिक जाता है। लेकिन कुछ विरले लोग होते हैं जो सिद्धांतों के अनुसार जीते हैं, वे बिकाऊ नहीं होते। उन्हें किसी तुर्रम खां की भी परवाह नहीं होती। हकीकत में जिंदगी छोटी भी हो, पर स्वाभिमान से भरपूर होनी चाहिए। पुराने लोग बहुत स्वाभिमानी होते थे। वे सब-कुछ सह लेते थे, पर किसी के एहसानमंद नहीं होते थे। मांग-मांगकर मिठाइयां और पकवान खाने की बजाय स्वयं के परिश्रम की दो सूखी रोटियां खाकर जी लेना अधिक श्रेष्ठ होता है। वह निष्ठाभावना और स्वाभिमान का परिचायक है।

जैनाचार्य ने कहा कि आधुनिक युग में समर्थ लोगों की चापलूसी का बोलबाला है। जो बाहुबलियों के पैरों में बैठे रहकर, उनकी हां में हां मिलाते हैं, उनको खैरात मिलती हैं। इसमें अपने खुद का कुछ नहीं बचता। सब कुछ नीलाम करके ही हम अपने कुछ स्वार्थ पूरे कर सकते हैं। आजकल समाज में समर्थ लोगों के समक्ष सज्जन और गुणवान लोग बहुत कमजोर होते जा रहे हैं। कभी समाज में गुणों की पूजा होती थी। सज्जनों को बहुत आदर-सम्मान मिलता था। आज धन भगवान बन गया है। इस युग में शक्ति, संपत्ति और सत्ता की पूजा होती है। दुर्जन लोग सज्जनों पर हावी रहते हैं। जहां देखो वहां, बुद्धि का भरपूर दुरुपयोग होता है। ऐसी परिस्थिति में अपने स्वाभिमान की रक्षा करना सरल नहीं होता।

शनिवार को वैशाख माह के शुभारंभ के अवसर पर नवनिर्मित मुनिसुव्रत जिनालय में बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रतस्वामी और शनिग्रह का विशेष पूजन अनुष्ठान आयोजित किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में भोरवेला में सैकड़ों साधक विविध पूजन सामग्री के साथ इसमें सम्मिलित हुए। प्राचीन मंत्र विद्याओं और मुद्राओं के द्वारा अनेक मंगल विधान संपन्न हुए। गणि पद्मविमलसागर ने बताया कि जैनाचार्य की प्रेरणा से उनकी जन्मभूमि हिरियूर में सामूहिक वर्षीतप का पारणा महोत्सव आयोजित हो रहा है।

गुदली पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बेलन्दूर में विभिन्न विकास कार्यों सीमेंट सड़क, डामर सड़क एवं सीवरेज के लिए गुदली पूजा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली ने कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा नेता पूर्व पार्षद सुरेश नारायणप्पा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

द्रमुक व कांग्रेस ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर ओछी राजनीति की : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण संशोधन विधेयक उनकी सरकार का एक नेक प्रयास था जो द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस के कारण ''पटरी से उतर गया'' और इसे नफरत एवं ओछी राजनीति का निशाना बना दिया गया। शुक्रवार को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक और कांग्रेस को विशेष रूप से निशाना बनाते हुए प्रधानमंत्री ने पूछा, आम महिलाओं को आगे बढ़ते देखकर द्रमुक और कांग्रेस को क्या परेशानी होती है?

मोदी ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से विपक्षी दलों से विधेयक का समर्थन करने की अपील की थी और यहां तक कि उन्हें इसका श्रेय देने की पेशकश भी की थी क्योंकि मैं केवल यह चाहता था कि साधारण परिवारों की बहनें अच्छी संख्या में संसद और विधानसभाओं में आएं। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन दुर्भाग्य से, यह नेक प्रयास विफल हो गया। द्रमुक, कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने इसे नफरत और ओछी राजनीति का निशाना बना दिया। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता, तो साधारण परिवारों की कई तमिल महिलाएं सांसद और विधायक बन जातीं। मोदी ने कहा कि 2011 की जनगणना के आधार पर, तमिलनाडु को लोकसभा में और भी कई सीट मिलने वाली थीं, लेकिन स्पष्ट रूप से द्रमुक ऐसा नहीं चाहती थी। उन्होंने कांग्रेस और द्रमुक की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, आम महिलाओं को आगे बढ़ते देखकर द्रमुक और कांग्रेस को क्यों परेशानी होती है? ये परिवारवादी पार्टियां सत्ता को अपने ही परिवार तक सीमित रखना चाहती हैं।

मोदी ने तमिलनाडु की महिलाओं से अपील की कि वे द्रमुक से पूछें कि उन्होंने उस विधेयक का विरोध क्यों किया जो उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था, और उन्होंने तमिल महिलाओं को इस सुनहरे अवसर से क्यों वंचित किया। प्रधानमंत्री ने चुनाव के दिन का जिक्र करते हुए कहा, 23 अप्रैल को उन्हें एक स्पष्ट और सशक्त संदेश दें।

रैली

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्य विपक्ष की बुराई करते हुए विरोध कर किया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड्स लगा दिए।

एआई से डरने की जरूरत नहीं, सतर्कता के साथ इसका इस्तेमाल किया जाए : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को आगाह करते हुए कहा कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ-साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से ''घबराएं'' नहीं, बल्कि सतर्कता के साथ इसका इस्तेमाल करें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जोर दिया कि तकनीक का इस्तेमाल केवल एक सहायक के रूप में किया जाना चाहिए, न कि एक विकल्प के रूप में। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में एआई का इस्तेमाल संतुलन के साथ होना चाहिए जिससे काम की गति और दक्षता बढ़े, लेकिन साथ ही न्याय के मूल सिद्धांत में मानवीय बुद्धि, अनुभव और संवैधानिक विवेक को पूरी तरह संरक्षित किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आपको एआई को लेकर घबराना नहीं चाहिए। जब आपके सामने कोई ऐसा मामला आता है जिसमें बहुत जटिल तथ्य और कानून के पेचीदा सवाल शामिल हों, तो आप क्या करते हैं? ऐसे मामलों में निर्णय लेते समय व्यक्ति ज्यादा गहराई से सोचता है, धैर्य रखता है और अंत में निर्णय लेने पर उसे संतोष की भावना भी महसूस होती है।'' उन्होंने कहा, ''जब हम एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग सावधानी और जागरूकता के साथ करना शुरू करेंगे, तो यही परिणाम देखने को मिलेगा, बशर्ते यह सुनिश्चित किया जाये कि आपके भीतर का न्यायाधीश स्वतंत्र बना रहे और तकनीक से प्रभावित न हो।'' इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि एआई के आने से न्यायपालिका के समक्ष एक तरफ नये अवसर हैं और दूसरी तरफ कुछ चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा कि एआई कई कामों में मदद कर सकता है, जैसे कानूनी शोध करना, मामलों का प्रबंधन आसान बनाना, बड़े डाटा को व्यवस्थित करना और न्यायाधीशों के प्रशासनिक काम का बोझ कम करना। उन्होंने कहा कि इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक तेज और कुशल हो सकती है। उन्होंने आगाह किया कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ-साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने ऐसी प्रणालियों द्वारा उत्पन्न होने वाली अशुद्धियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल में एआई मंचों द्वारा मनगढ़ंत मिसालें, गलत उद्धरण और पूरी तरह से काल्पनिक कानूनी प्रस्ताव तैयार किए जाने के उदाहरण सामने आए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''ये तथाकथित ''भ्रामक जानकारी'' मामूली तकनीकी खामियां नहीं हैं। ये न्यायिक प्रक्रिया की बुनियाद पर ही प्रहार करती हैं, जो सटीकता, प्रामाणिकता और विश्वास पर टिकी है। अगर इन पर रोक नहीं लगाई गई, तो ये गुमराह कर सकती हैं, कानूनी दलीलों को तोड़-मरोड़ सकती हैं और परिणामों को गलत दिशा दे सकती हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपनी मूल पहचान को खोए बिना कितनी अच्छी तरह बदलावों के अनुसार खुद को ढाल पाती है। उन्होंने कहा, इसके लिए लगातार सीखने, आत्मचिंतन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है।

न्यायिक स्वतंत्रता में एआई के प्रभाव से आजादी शामिल होनी चाहिए : न्यायमूर्ति नागरत्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने शनिवार को कहा कि आज के ज़माने में न्यायिक आज़ादी का मतलब सिर्फ़ बाहरी ताकत से स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि 'एल्गोरिदम' के असर से भी आज़ादी है। उन्होंने कहा कि न्याय का भविष्य सिर्फ़ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से आकार नहीं ले सकता, बल्कि इसे न्यायाधीशों को तय करना होगा जो टूल्स' से समर्थित तो हो, फिर भी हमेशा संवैधानिक मूल्यों, कानून के राज और बराबरी तथा निष्पक्षता की प्रतिबद्धता से निर्देशित हो।

न्यायमूर्ति नागरत्ना कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें राज्यस्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसका विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में न्यायपालिका को 'पुन: आकार देना' था। उन्होंने कहा, इस सारे बदलाव के बीच जो सिद्धांत बिल्कुल नहीं बदलना चाहिए, वह है कानून का राज।

प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, हमारी न्यायपालिका की बुनियाद नहीं बदल सकती और न ही बदलनी चाहिए।

समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार और कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू भी शामिल थे।

सिद्दरामय्या ने दक्षिण भारत में उच्चतम न्यायालय की पीठ स्थापित करने की जरूरत पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उच्चतम न्यायालय तक देशवासियों की पहुंच आसान बनाने की जरूरत पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि दक्षिण भारत में न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने से न्याय सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। सिद्दरामय्या ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' विषय पर आयोजित राज्य-स्तरीय न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में किसी न्यायाधीश की ताकत एल्गोरिद्म की ताकत से कम नहीं आंकी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, नई संभावनाएं खोजने के साथ साथ हमें न्यायपालिका के सामने मौजूद स्थायी चुनौतियों को भी ध्यान में रखना होगा। लंबित मामलों की समस्या अब भी गंभीर है, जो समय पर न्याय मिलने में बाधा बनती है। प्रौद्योगिकी इससे निपटने में मदद कर सकती है, लेकिन इसके साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाना, न्यायिक क्षमता बढ़ाना और अदालतों की प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा, देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच बेहतर बनाने की सख्त जरूरत है। दक्षिण भारत में उच्चतम न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने से न्याय सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम ऐसे दौर में हैं, जहां कानून और प्रौद्योगिकी अलग-अलग क्षेत्र नहीं रहे, बल्कि शासन, अधिकारों और न्याय के लिए परस्पर जुड़ी शक्तियां बन चुके हैं।

प्रारंभिक निशुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट्स लांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रतिष्ठान एस्टर डीएम हेल्थकेयर की सीएसआर यूनिट 'एस्टर वॉलेंटियर्स' ने शुक्रवार को 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट लाँच की। इस पहल के तहत वैश्विक स्तर पर 76 मोबाइल यूनिट लाँच होगी जिसमें से 54 यूनिट भारत में लाँच हो रही है। इन मोबाइल यूनिट के माध्यम से जन समुदाय के साथ मज़बूत जुड़ाव और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच की पहलों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होती है। इन लाँच यूनिट को राँची, कानपुर, भोपाल, जयपुर और भुवनेश्वर में तैनात किया जाएगा जिनका उद्देश्य शहरी गरीबों और सबसे कमज़ोर समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचना है। इस पहले 'एस्टर वॉलेंटियर्स' ने दया रिहेबिलेशन ट्रस्ट व मलाबार ट्रस्ट के सहयोग से बेंगलूरु, चेन्नई, मुंबई, पटना और कोलकाता में पांच यूनिट तैनात की है।

इन मोबाइल मेडिकल यूनिट को एस्टर डीएम हेल्थकेयर के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. आज़ाद मूपेन, उपप्रबंध निदेशक अलिशा मूपेन, दया ट्रस्ट के अब्दुल नाज़र, मलाबार ग्रुप के कर्नाटक प्रमुख फ़िलसोर बाबू आदि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. आज़ाद मूपेन ने कहा, मोबाइल मेडिकल यूनिट्स का लॉन्च के माध्यम से हम ज़रूरी मेडिकल सेवाएँ सीधे रूप में लोगों तक पहुँचाकर प्रिवेंटिव स्क्रीनिंग, शुरुआती जाँच और सही समय पर इलाज करने का प्रयास होगा। ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स निशुल्क शुरुआती सलाह, गैर-संक्रामक बीमारियों की स्क्रीनिंग, माँ और बच्चे की सेहत से जुड़ी सेवाएँ, स्वास्थ्य शिक्षा और बेहतर इलाज के लिए रेफरल में मदद करेंगी। सभी यूनिट्स मेडिकल-ग्रेड इंटीरियर से लैस हैं और सुरक्षित और असरदार देखभाल देने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका से चार चीते कर्नाटक के बनरघट्टा जैविक उद्यान लाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक स्थित बनरघट्टा जैविक उद्यान ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से दो मादा सहित चार चीतों के यहां पहुंचने की घोषणा की। उद्यान ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के 'इंदुना प्राइमेट एंड पैरट पार्क' से लाए गए ये जानवर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के अनुरूप स्वीकृत पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत शुक्रवार देर रात लगभग 1:15 बजे केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। बैनरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी) द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य संरक्षण प्रयासों को मजबूत करना, वन्य आबादी में आनुवंशिक विविधता बढ़ाना, आगंतुकों में जागरूकता पैदा करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल पर चीतों का स्वागत किया। मंत्री ने अधिकारियों और पशु चिकित्सक दलों को निर्देश दिया कि जानवरों को सहज रूप से नए वातावरण में ढालने के लिए 30 दिनों तक पृथकवास में रखने के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन, निर्धारित आहार और स्वास्थ्य की कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि चीते, जिन्हें स्थानीय स्तर पर कभी सिवांगी कहा जाता था, कर्नाटक के जंगलों से विलुप्त हो चुके हैं और ऐसे में चिड़ियाघरों जैसी संस्थाओं के माध्यम से जनजागरूकता बेहद जरूरी है।

उन्होंने कर्नाटक चिड़ियाघर प्राधिकरण (जेडएके) के सदस्य सचिव डॉ. सुनील पंवार को जानवरों की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। बीबीपी अधिकारियों ने बताया कि यहां लाए जाने से पहले चीतों की दक्षिण अफ्रीका में पशुपालन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार गहन स्वास्थ्य जांच की गयी थी और उन्हें पृथकवास में रखा गया था। बीबीपी ने बयान में कहा, उद्यान पहुंचने पर जानवरों को स्वास्थ्य जांच और निगरानी के लिए निर्धारित पृथकवास केंद्र में रखा गया है, जिसके बाद उन्हें दर्शकों के देखने के लिए उनके बाड़ों में स्थानांतरित किया जाएगा।

'कॉफ़ी विद एचआर' पैनल चर्चा में विद्यार्थियों को मिला नया नजरिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ईस्ट पॉइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स ने हाल ही में अपने कैंपस में एचआर अनफ़िल्टर्ड थीम पर आधारित पैनल सेशन 'कॉफ़ी विद एचआर' का आयोजन किया जिसमें विद्यार्थियों को वास्तविक पेशेवर दुनिया का सामना करने का नजरिया व मार्गदर्शन दिया। संस्थान के सीईओ राजीव गौड़ा ने कहा कि ईस्ट पॉइंट में हमारा ध्यान सिर्फ़ अकादमिक उत्कृष्टता ही नहीं अपितु ऐसे लोगों को गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इंडस्ट्री के लिए तैयार हों, ढलने की क्षमता रखते हों और भविष्य पर केंद्रित हों। कॉफ़ी विद एचआर' जैसे प्लेटफ़ॉर्म इंडस्ट्री और शिक्षा जगत के बीच सार्थक बातचीत का माहौल बनाते हैं, जिससे देश के विद्यार्थी सिर्फ़ अपनी पहली नौकरी के लिए, बल्कि एक तेज़ी से बदलती दुनिया में लगातार करियर की सफलता के लिए भी तैयार हों। इंडस्ट्री के पैनलिस्टों ने नई प्रतिभाओं को नौकरी पर रखने के अपने व्यापक अनुभव से मिली व्यावहारिक जानकारियाँ साझा कीं। प्रमुख संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए, वक्ताओं ने भर्ती प्रक्रियाओं, रेज़्यूमे के मूल्यांकन और इंटरव्यू की उम्मीदों का एक यथार्थवादी नज़रिया पेश किया। उन्होंने कहा कि हालाँकि आपके ग्रेड महत्वपूर्ण हैं, लेकिन संचार कौशल, समस्या-समाधान की क्षमता और पेशेवर व्यवहार दिखाना भी उतना ही ज़रूरी है। पैनलिस्टों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लगातार सीखते रहना और ढलने की क्षमता रखना, हमेशा बदलते रहने वाले जॉब मार्केट में लंबे समय तक करियर की सफलता की कुंजी है।

के.एस. सोमशेखर राज्यसभा सचिवालय में सचिव नियुक्त किए गए

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने के. एस. सोमशेखर को राज्यसभा सचिवालय में सचिव नियुक्त किया है। सचिव के पद पर सोमशेखर की नियुक्ति शनिवार से प्रभावी हो गई। वह सचिवालय में अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव और निदेशक सहित विभिन्न पदों पर रहे हैं। संसदीय व्याख्या, प्रशासन और समिति कार्य में उन्हें व्यापक अनुभव है। वह 1993 में सेवा में शामिल हुए थे। सोमशेखर ने कर्नाटक सरकार में भी उच्च पदों पर सेवा दी है और अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। राज्यसभा सचिवालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने ब्रिटेन और यूरोपीय संघ में संसदीय प्रक्रियाओं का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है और जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की बैठकों में भी भाग लिया है।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर एनडीपीएस की बड़ी कार्रवाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को बेंगलूरु कस्टम्स ने बैंकॉक से आ रही 4 महिला यात्रियों को रोका और उनके चेक-इन बैगेज में छिपाकर रखा गया 11.72 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा ज़ब्त किया, जिसकी कीमत 4.10 करोड़ है। वहीं एक अन्य कार्रवाई में बेंगलूरु कस्टम्स ने बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका और टर्मिनल 2 पर उसके सामान में छिपाकर रखा गया 5.78 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा ज़ब्त किया, जिसकी कीमत 2.02 करोड़ है। सभी आरोपियों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वागत

तमिलनाडु के पोन्नेरी में एक चुनाव प्रचार सभा में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी का स्वागत करते हुए कर्नाटक मे उपमुख्यमंत्री एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने किया। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वापेरुथांगई, आईसीसी इंचार्ज गिरीश चोडांकर, पूर्व सांसद बामुल प्रेसिडेंट डीके सुरेश और दूसरे नेता मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं और यही वह तमिलनाडु में करना चाहते हैं : राहुल गांधी

रानीपेट (तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें। गांधी ने दावा किया कि ''प्रधानमंत्री ने हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।'' उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''कल (संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।''

उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं। वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।' राहुल गांधी ने कहा, ''जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, इसीलिए वह तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम को सत्ता में लाना चाहते हैं।''

सभी विपक्षी दलों के समर्थन के कारण परिसीमन विधेयक को रोक पाना संभव हुआ : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि परिसीमन विधेयक को रोकने में मिली जीत 'इंडि' गठबंधन सहित सभी विपक्षी दलों के सांसदों के प्रयासों के कारण ही संभव हो पाई। उन्होंने इस मुद्दे पर दृढ़ रुख अपनाने के लिए कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को धन्यवाद भी दिया। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) विपक्षी दलों का गठबंधन है।

केंद्र सरकार को उस वक्त एक बड़ा झटका लगा जब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को पारित नहीं हो सका। उन्होंने भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा, इस परिसीमन विधेयक ने न केवल हमारे दोस्तों का खुलासा किया है, बल्कि तमिलनाडु के गद्दारों को भी बेनकाब कर दिया है। अगले चुनाव से पहले ही इन गद्दारों को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

यहां जारी एक वीडियो क्लिप में स्टालिन ने कहा, आज मैं आपके सामने अत्यंत प्रसन्नता और नई ऊर्जा से परिपूर्ण होकर खड़ा हूं। परिसीमन विधेयक, जिसे काला कानून कहा जाता है, के विरुद्ध हमारा संघर्ष सफल रहा है। एक वर्ष से भी अधिक समय पहले हमने इस खतरे को भांप लिया था और उसी क्षण से हमने इस विजय को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी कार्य शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन की आड़ में भाजपा को पूर्णतया लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया विधेयक संसद में पराजित हो गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 11/MYS/2026, दिनांक: 15.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	मैसूरु मंडलः एसएसई/पी.वे/कृष्णराजनगर (केआरएनआर) खंडः गैंग टूल-कम-रेस्ट रूम का निर्माण - 14 नं. (बचे हुए काम)।	रु. 1,14,69,234/-
2	सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड (एसकेएलआर-एसबीएचआर): हासन - मंगलुरु जंक्शन (एचएएस-एमएजेएन) खंड में सुरंग सं. 12 (किमी. 62/500-600 - 15मी) के सुब्रमण्य रोड (एसबीएचआर) छोर पर और सुरंग सं. 19 (किमी. 68/800-900 - 20मी) के सकलेशपुर (एसकेएलआर) छोर पर सुरंग पोर्टल का विस्तार; कुल 35 मीटर का काम।	रु. 4,21,76,512/-
3	मैसूरुः मैसूरु स्थित रेलवे अस्पताल के नए ओपीडी ब्लॉक में पहली मंज़िल की इमारत का निर्माण और सर्कुलेटिंग एरिया (आवागमन क्षेत्र) में सुधार, जिसमें चारदीवारी का काम भी शामिल है। उप-कार्य-1(ए): पहली मंज़िल की इमारत का निर्माण। उप-कार्य-1(बी): लिफ्ट वेल का निर्माण। उप-कार्य-2: मैसूरु स्थित रेलवे अस्पताल के सर्कु लेटिंग एरिया में सुधार, जिसमें चारदीवारी का काम भी शामिल है।	रु. 2,78,40,274/-
4	सहायक मंडलीय अभियंता, चित्रदुर्ग (सीटीए) उप-मंडल के अंतर्गत बिरूर जंक्शन - चिकजाजुर (आरआरबी-रेआरयू) और चिकजाजुर - रायदुर्ग (रेआरयू-आरडीजी) सेक्शन में स्थित आरयूबीयों (रेलवे अंडर ब्रिज) के लिए गाद निकालने, नालियों की सफाई, जमा हुए बारिश के पानी को निकालने, पहुँच मार्गों पर उगी झाड़ियों को हटाने और सड़कों की मरम्मत (पैच वर्क) आदि का काम।	रु. 71,11,338/-
5	उप-कार्य-1: बिरूर - चिकजाजुर - करजगी खंडः मुख्य लाइन और लूप लाइन पर टीडब्ल्यूएस का नवीनीकरण - 161 सेट (1 में 12 - 118 सेट और 1 में 8.5 - 43 सेट)। उप-कार्य-2: चिकजाजुर जंक्शन - रायदुर्ग (जेआरयू-आरडीजी) खंडः 1 में 8.5 वाले टर्नआउट का पूर्ण नवीनीकरण (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यीसीएमएससी) - 30 सेट। उप-कार्य-3: चिकजाजुर जंक्शन। - रायदुर्ग (जेआरयू-आरडीजी) खंडः 1 में 12 के थ्रू टर्नआउट नवीनीकरण (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यीसीएमएससी) - 26 सेट। उप-कार्य-4: चिकजाजुर जंक्शन - रायदुर्ग (जेआरयू-आरडीजी) खंडः हलीयुरु - चल्लाकेरे (एचएलवी-सीएचकेई) स्टेशनों के बीच 4.065 किमी की लंबाई दूर के लिए, अलग-अलग जगहों पर मुख्य लाइनों पर थ्रू बैलास्ट नवीनीकरण। उप-कार्य-5: चिकजाजुर जंक्शन - रायदुर्ग (जेआरयू-आरडीजी) खंडः चिकजाजुर जंक्शन - हलीयुरु (जेआरयू-एचएलवी) स्टेशनों के बीच 5.190 किमी की लंबाई दूर के लिए, अलग-अलग जगहों पर मुख्य लाइनों पर थ्रू बैलास्ट नवीनीकरण।	रु. 3,46,10,620/-
6	उप-कार्य-1: हासन में 40 बिस्तरों वाले नए रनिंग रूम का निर्माण। उप-कार्य-2: शिवमोग्गा टाउन में मौजूदा रनिंग रूम का विस्तार / उन्नयन, जिसमें 19 अतिरिक्त बिस्तरों की क्षमता जोड़ी जाएगी। उप-कार्य-3: तलगुप्पा में 20 बिस्तरों वाले रनिंग रूम की सुविधाओं का निर्माण। उप-कार्य-4: चामराजनगर (सीएमजीआर) में 20 बिस्तरों वाले नए रनिंग रूम का निर्माण (इस कार्य के लिए रखरखाव की अवधि 03 वर्ष होगा)।	रु. 6,74,63,432/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथिः 08.05.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/46/AAMO/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / मैसूरु

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

स्पष्ट व सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित करने वाला हो विधायी मसौदा : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि कानून निर्माण में विधायी मसौदा महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि विधायी मसौदे में स्पष्ट व सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित होनी चाहिए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में विधेयक को पारित कराने की प्रक्रिया अत्यन्त सावधानीपूर्वक और पारदर्शी तरीके से की जाती है। कानून में सर्वोत्तम गुणवत्ता के सभी पहलुओं का समावेश सुनिश्चित किया जाता है। स्पीकर देवनानी शनिवार को जयपुर राजस्थान विधान सभा में इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्रॉफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अन्तर्गत लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेन्ट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी द्वारा आयोजित किया गया। देवनानी ने बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागियों से परिचय किया और उनके साथ सामूहिक चित्र भी कराया। स्पीकर देवनानी ने कहा कि किसी भी विधेयक के प्रस्ताव की प्रक्रिया तीन मुख्य चरणों से गुजरती है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण में विधेयक सदन में प्रस्तुत किया जाता है। द्वितीय चरण में विधेयक पर गहन चर्चा के साथ मसौदे को बेहतर बनाने के लिए अक्सर विशेष समितियों की मदद से हर पहलू का बारीकी से विश्लेषण कराये जाने के पश्चात सदन मतदान के लिए एकत्रित होता है। देवनानी ने कहा कि कानून को सशक्त, समझने में आसान और वास्तव में जनता के हित में बनाने के लिए सम्पूर्ण प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। स्पष्ट और सरल भाषा का प्रयोग ही न्याय का सार होता है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का सच्चा मंदिर है। यहां सभी का एक साथ विकास करने के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कानून पारित कराये जाते हैं। विधान सभा अपने गौरवशाली स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रही है। राज्य के निर्माण के शुरूआती दिनों से लेकर आज के डिजिटल शासन के युग तक विधान सभा में लाखों लोगों के सपनों को कानून में तब्दील किये गए हैं। 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधान सभा जनता की इच्छाओं को प्रतिबिंबित करने का कार्य करती है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि अपनी स्वतंत्रता के 75वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए भारत अब अमृतकाल के मार्ग की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की विशेष यात्रा के साथ भारत 2047 में स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ मनायेगा। यह समय हमारे राष्ट्र के लिए आत्म निरीक्षण करने और भविष्य के लिए बडे लक्ष्य निर्धारित करने का है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि गुलाबी शहर जयपुर का गुलाबी सदन राजस्थान विधान सभा पूरे देश के लिए आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधान सभा ने सभी विधायी अभिलेखों को डिजिटलाइज करके सुदृढ़ भविष्य को सुनिश्चित कर लिया है। यह परिवर्तन केवल कम्प्यूटर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ाने और शासन को गति देने से भी संबंधित है। पारम्परिक राजस्थानी शैली और आधुनिक आवश्यकताओं के अनूठे मिश्रण के साथ विधान सभा भवन को सुंदर तरीके से बनाया गया है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि विधान सभा का महत्वपूर्ण हिस्सा आधुनिक डिजिटल संग्रहालय है। यह संग्रहालय जनता विशेषकर युवाओं से जुड़ने का एक सेतु है। यह राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा और इतिहास को जानने का अवसर प्रदान करता है। सदन के कार्यों को समझने का माध्यम है। साथ ही कानून निर्माण की प्रक्रिया को जनता के करीब लाता है। स्पीकर देवनानी ने विदेशी प्रतिभागियों से कहा कि राजस्थान विधान सभा के वरिष्ठ और अनुभवी विधायकों के साथ चर्चा विधायी ज्ञान को बढाएगी। ऐसे कार्यक्रम किताबों से परे जाकर अनुभव जानने के दुर्लभ अवसर हैं और संसदीय प्रक्रिया का वास्तविक ज्ञान भी होते हैं। कानून बनाना शासन की वैश्विक भाषा है, जिसे साझा करके हम सभी दुनिया भर में लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागी बनेंगे। देवनानी ने कहा कि पधारो म्हारे देश की भावना को भारत की यात्रा से बेहतर ढंग से विदेशी प्रतिभागी समझ सकेंगे।

आरपीएससी ने आरएएस परीक्षा 2024 के परिणाम जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतिम परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए। आयोग ने मुख्य परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पूरे होने के ठीक एक दिन बाद ही यह परिणाम जारी किया है। यह हाल ही के वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को सबसे तेजी से पूरा किए जाने का एक उदाहरण भी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी। आयोग की ओर से जारी वरीयता सूची में बाड़मेर के दिनेश बिश्नोई ने 351.50 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि जैसलमेर के वीरेंद्र चारण सिर्फ आधे अंक के मामूली अंतर से दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 351 अंक प्राप्त किए। इसके अनुसार बिश्नोई ने लिखित परीक्षा में सर्वाधिक 302.50 अंक प्राप्त किए जबकि चारण ने साक्षात्कार में उनसे नौ अंक अधिक प्राप्त किए। बिश्नोई को साक्षात्कार में 49 अंक मिले, जबकि चारण को 58 अंक मिले।

बालोतरा जिले के धोरीमन्ना उप-मंडल के भाली सर गांव के रहने वाले बिश्नोई ने अपने दूसरे प्रयास में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले उन्होंने पिछली आरएएस (राजस्थान प्रशासनिक सेवा) परीक्षा में 57वां स्थान हासिल किया था और वर्तमान में जयपुर में पुलिस सेवा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। बिश्नोई ने अपनी सफलता का श्रेय लगातार कड़ी मेहनत, नियमित अध्ययन और अपने माता-पिता तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता और समर्पण ही कुंजी हैं।

जयपुर के उम्मीदवारों में कुलदीप शर्मा ने 12वां स्थान, तनीषा यादव ने 19वां और वृंदा शेखावत ने 20वां स्थान हासिल किया। वरीयता सूची में शीर्ष 20 अभ्यर्थियों में से सात पश्चिमी जिलों - बाड़मेर, बालोतरा, बीकानेर, जैसलमेर और अनूपगढ़ - से हैं जबकि तीन जयपुर से हैं। शीर्ष 20 उम्मीदवारों की सूची में चार महिलाएं हैं। इनमें बीकानेर की ऐश्वर्या कंवर (रैंक 6), अनूपगढ़ की शालू (रैंक 8), तथा जयपुर की तनीषा यादव (रैंक 19) और वृंदा शेखावत (रैंक 20) है।

जैसलमेर में पोकरण क्षेत्र के रामपुरीया गांव के वीरेंद्र चारण ने वरीयता सूची में दूसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। पुलिस विभाग में एक हेड कांस्टेबल के बेटे वीरेंद्र वर्तमान में पिछली परीक्षा में तहसीलदार के पद पर चयनित होने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शालू अनूपगढ़ के एक किसान परिवार से हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पहली ही कोशिश में, खुद से पढ़ाई करके 8वीं रैंक हासिल की।

जोधपुर में गर्मी का प्रचंड प्रहार : ड्यूटी के दौरान स्कूल में शिक्षिका हुईं बेहोश

जोधपुर । सूर्यनगरी में आसमान से बरसती आग और भीषण लू ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक खौफनाक मंजर शनिवार को हयूसन मंडी स्कूल में देखने को मिला, जहाँ कार्यरत एक शिक्षिका अचानक हीट स्ट्रोक की चपेट में आकर बेहोश हो गईं। इस घटना के बाद विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षिका सुमन विद्यालय में अपनी ड्यूटी पर तैनात थीं, तभी अचानक तेज गर्मी और उमस के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें बेसुध देख सहकर्मियों के हाथ-पांव फूल गए।

साथी शिक्षक तुरंत सक्रिय हुए और उन्हें बिना देरी किए महात्मा गांधी अस्पताल (चत्रक्) ले गए। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती शिक्षिका का उपचार डॉक्टरों की विशेष निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने इसे भीषण गर्मी और हीट स्ट्रोक का मामला बताया है। राहत की बात यह है कि प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जयपुर शहर में 'सफाई सेवा मैराथन' में 9,000 सफाईकर्मी व अधिकारी तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्वच्छता अभियान 'सफाई सेवा मैराथन 2026' शनिवार को शुरू हुआ जिसमें लगभग 9,000 सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने मालवीय नगर जोन के वार्ड नंबर 83 से इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सफाई कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ाया और ज़मीनी स्तर पर जारी कामों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि कई स्वयंसेवी संगठन भी इस पहल में सहयोग कर रहे हैं। आयुक्त ने तालकटोरा तालाब के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कर्मचारियों द्वारा बिना 'लाइफ जैकेट' के काम करने पर चिंता जताई।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सफाई कार्यों के दौरान उचित सुरक्षा उपकरण सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से वहां सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए गए। कसेरा ने दिल्ली रोड पर लाल डूंगरी, गोल

मार्केट और झालाना डूंगरी स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण किया और मशीनों से कचरा निपटाने की व्यवस्था का जायज़ा लिया। उन्होंने कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफर स्टेशनों पर आने वाले कचरे की मात्रा बढ़कर सामान्य से लगभग दोगुनी हो गई है। एक अधिकारी ने कहा, अभियान के तहत उन इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां आमतौर पर नियमित सफाई सेवाएं नहीं पहुंच पाती। आयुक्त ने निवासियों से भी अपील की कि वे खुली जगहों पर कचरा न फैलाएं और जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करें। बाद में, कसेरा ने जयपुर के जिला कलेक्टर संदेश नायक के साथ मिलकर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पास स्थित 'अन्नपूर्णा रसोई' केंद्र का दौरा किया और वहां मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता जांची।

ऐतिहासिक कवि सम्मेलन में डॉ.कैलाश मण्डेला को दिया सुरेन्द्र दुबे स्मृति सम्मान

पुष्कर की पुण्य धरा हुई कविताओं से सरोबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर (राज.)। विश्वविख्यात हास्यकवि एवं संवेदनशील गीतकार स्व.सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में आयोजित 8वें सम्मान समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन पुष्कर स्थित गायत्री मणिवेदिक शक्तिपीठ पर स्वामी प्रखर महाराज के सान्निध्य में हो रहे 43 दिवसीय शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ के अंतर्गत हजारों श्रोताओं की उपस्थिति में सुरेंद्र दुबे स्मृति संस्थान द्वारा घोषित एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए की राशि, ताम्र पत्र एवं अलंकरणों के साथ सुरेंद्र दुबे स्मृति सम्मान-2026 इस वर्ष हिंदी कवि सम्मेलनों एवं अकादमिक स्तर पर हिन्दी और राजस्थानी भाषा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जनकवि, गीतकार एवं केन्द्रीय साहित्य अकादमी से पुरस्कृत साहित्यकार डॉ.कैलाश मण्डेला(शाहपुरा- राजस्थान) को प्रदान किया गया। महायज्ञ के प्रणेता गुरुवर प्रखरजी महाराज, संस्थान के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश दुबे, प्रतिष्ठित संतों तथा कवियों द्वारा सम्मान के निमित्त एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए का चैक, ताम्र पत्र एवं प्रतीक चिन्ह आदि भेंट किए गए। अपने बहुआयामी लेखन और विलक्षण प्रस्तुति कौशल के कारण पहचान बना चुके कवि मण्डेला के साहित्यिक अवदान को कार्यक्रम के प्रारंभ में रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखर महाराज का 21 किलो की माला एवं एक क्विंटल गुलाब पंखुड़ियों से भव्य अभिनंदन किया गया। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश दुबे ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए इस जन आयोजन में सभी की सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया। विश्व प्रसिद्ध मंच संचालिका डा.कीर्ति काले के संचालन में प्रारम्भ हुए कवि सम्मेलन में अपनी सरस्वती वंदना से डा कीर्ति ने वातावरण में सम्मोहन पैदा कर दिया। सम्मानित कवि डॉ.कैलाश मण्डेला ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्व. सुरेन्द्र दुबे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

पहले कवि के रूप में आए हास्य कवि दिनेश बंटी ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से श्रोताओं को खूब हँसाया उनकी प्रसिद्ध रचना पंचायती नोहरा सुनकर श्रोता लोटपोट हो गए। लखनऊ से आए युवा ओजस्वी कवि प्रख्यात मिश्रा राम वही जो सबरी को सम्मान दिलाने वाले हैं, राम वही भारत की पहचान बनाने वाले हैं, सुनाकर वातावरण को देश भक्ति एवं भक्तिमयी कर दिया।

प्रसिद्ध व्यंग्यकार ब्यावर के शिव तूफान ने अपनी व्यंग्य रचना ''भगवान का पता'' सुनाकर मंच को ऊंचाइयां प्रदान की। सुप्रसिद्ध अन्तरराष्ट्रीय कवयित्रि डॉ. कीर्ति काले ने ''अयोध्या में अगर ढूंढों तो श्रीराम मिलते हैं, जो वृंदावन में ढूंढोगे तो फिर घनश्याम मिलते हैं, मगर मां बाप के चरणों में चारों धाम मिलते हैं तथा माँ गंगा पर पावन गीत एवं बेटी की विदाई की रचना प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। हास्य व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि डा. प्रवीण शुक्ल ने अपने चिरपरिचित अंदाज में अपनी श्रेष्ठ रचना कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान कृष्ण के शस्त्र धारण को लेकर प्रस्तुत की जिससे सभी सम्मोहित हो गए। बिजयनगर के कवि नवीन शर्मा ने अपना श्रेष्ठ गीत पाठ किया।

सुरेन्द्र दुबे स्मृति आठवें सम्मान से सम्मानित कवि एवं साहित्यकार डॉ. कैलाश मण्डेला ने वातावरण को उन्मुक्त करते हुए अपनी श्रेष्ठ गुरुवन्दना असीम जिनकी चेतना, सुकृत्य से विशाल है, अनन्त श्री विभूषितम समर्थ गुरु दयाल है तथा गुरु जगमग करता तारा रे, अेड़ी जोत जळा दी, मन का मिटग्या सकल अन्धारा रे सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। आनन्दित श्रोताओं का आलम ऐसा रहा कि कवि मण्डेला पर नोटों एवं फूलों की बरसात काव्यपाठ के दौरान निरन्तर होती रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी आनन्द ब्रह्मचारी महाराज ने कविसम्मेलन को सफल बताते हुए अपनी काव्यमयी प्रस्तुति दी।

राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी का अदालती आदेश आश्चर्यजनक व अनावश्यक : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को शनिवार को आश्चर्यजनक व अनावश्यक बताया जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में प्राथमिकी दर्ज करने को कहा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता के बेबुनियाद आरोपों पर प्राथमिकी के आदेश देना आश्चर्यजनक एवं न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका पर अनावश्यक बोझ डालने जैसा है।

गहलोत ने कहा, पूर्व में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जुलाई 2025 एवं उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा 2019 में ऐसी याचिकाओं को खारिज किया जा चुका है। इसके बावजूद अब जांच का आदेश देना समझ से परे है। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता

प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शुक्रवार को दोहरी नागरिकता के कथित विवाद के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज होने के बाद राज्य सरकार किसी भी केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच करने का निर्देश दे सकती है।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपों के प्रथम दृष्टया अवलोकन से संज्ञेय अपराध बनता है, इसलिए मामले की जांच आवश्यक है। यह अर्जी शुरू में रायबरेली की विशेष सांसद/विधायक अदालत में दायर की गई थी लेकिन शिकायतकर्ता विग्नेश की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 17 दिसंबर, 2025 को उक्त आपराधिक शिकायत मामले को रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की सांसद/विधायक अदालत ने 28 जनवरी, 2026 को उक्त याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में अपील की थी। एक बयान में गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी के पिता (राजीव गांधी) और दादी (इंदिरा गांधी) ने इस देश को एक और अखंड रखने के लिए शहादत दी है।

उन्होंने कहा, उनके परनाना (जवाहरलाल नेहरू) ने 10 साल अंग्रेजों से लड़ते हुए जेलों में बिताए और अपनी पूरी संपत्ति अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में दान कर दी। स्वयं राहुल गांधी ने देश में बढ़ते तनाव को खत्म करने एवं प्यार, मोहब्बत और भाईचारा कायम करने के लिए पूरे भारत में पदयात्रा की। ऐसे शख्स के खिलाफ इस तरह की कार्यवाही बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रदेश में भीषण गर्मी की चेतावनी

जयपुर। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर ने प्रदेश में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी का असर और तेज होने की संभावना है। शनिवार सुबह से हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और जैसलमेर जिलों में धूलभरी हवाएं चल रही हैं। इन इलाकों में आसमान में हल्के बादल भी छाए हुए हैं, जिससे मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। वहीं, अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद आंधी और हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इससे कुछ क्षेत्रों में अस्थायी राहत मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश के कारण दोपहर बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली थी। इस दौरान हीटवेव का असर भी अपेक्षाकृत कम रहा।

इधर हनुमानगढ़, चूरू और श्रीगंगानगर जिलों में बदले मौसम का असर कृषि पर भी पड़ा है। तेज आंधी और मौसम परिवर्तन के कारण इन जिलों में कटी हुई फसलों को नुकसान होने की खबर है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद एसडीएम काजल मीणा निलंबित

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की अधिकारी काजल मीणा को निलंबित कर दिया है। एक सरकारी आदेश में शनिवार को यह जानकारी दी गई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जिला करौली के नादोती की उपखंड अधिकारी काजल मीणा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में दण्डनीय अपराध के लिए प्रथम दृष्टया लिप्त पाये जाने पर 16 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार, ''अतः राज्य सरकार, राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आरएएस काजल मीणा को गिरफ्तारी की तारीख से निलंबित माने जाने का आदेश जारी करती है।'' निलंबन के दौरान अधिकारी का मुख्यालय शासन सचिव जयपुर के कार्यालय में रहेगा। एसीबी ने मीणा व उनके रीडर और एक अन्य कर्मचारी को कथित तौर पर 60,000 रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। मीणा आरएएस के 2024 बैच की अधिकारी और अनुसूचित जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों की वरीयता सूची की 'टॉपर' हैं। वह पहले टोंक में सहायक कलेक्टर (प्रशिक्षु) के रूप में तैनात थीं।

दिया कुमारी का विपक्ष पर हमला, कहा देश और महिलाएं कभी नहीं करेंगी माफ

जयपुर/दक्षिण भारत । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष के रवैये ने उनकी मानसिकता को उजागर कर दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आरोप लगाया कि जिस तरह से संसद में इस बिल पर बहस के दौरान विपक्ष ने विरोध किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण विधेयक का पूर्ण रूप से विरोध किया। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस व्यवहार को कभी नहीं भूलेंगी और इतिहास भी इसे याद रखेगा।, यह बिल महिलाओं को बराबरी और सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता था, लेकिन विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया।

‘ममता को मुख्यमंत्री के पद से हटाना होगा, वरना बांग्लादेशी मुसलमान बंगाल को हमसे छीन लेंगे’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को ममता बनर्जी सरकार पर पश्चिम बंगाल के संसाधनों को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल गंवा देंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत में प्रवेश करने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल का पूरा खजाना बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के लिए आरक्षित कर दिया है। उन्होंने वोट के लिए इस भूमि को बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दिया। शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से बनर्जी ने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, हमें ममता बनर्जी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा, वरना एक दिन बांग्लादेशी मुसलमान हमसे राज्य को छीन लेंगे। भाजपा नेता ने यह दावा भी किया कि बनर्जी के कार्यकाल में उत्तर बंगाल में कोई विकास नहीं हुआ। शर्मा ने कहा, बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही हम इस क्षेत्र से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा गोरखालैंड मुद्दे का संवैधानिक समाधान खोजेगी और गोरखाओं को न्याय दिलाएगी।

कूच बिहार जिले के दिनहाटा में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग को दी गई उस शिकायत का जिक्र किया, जिसमें उन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के खिलाफ ‘‘सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ और विभाजनकारी’’ टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था।

बिहार के उप मुख्यमंत्रियों को ‘जेड’ श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने उप मुख्यमंत्रियों विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव की सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दोनों उप मुख्यमंत्रियों को अब ‘जेड’ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा चौधरी और यादव की सुरक्षा की समीक्षा किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। ‘जेड’ श्रेणी की सुरक्षा में प्रशिक्षित कर्मियों की एक समर्पित टीम शामिल होती है, जो उन्नत हथियारों से लैस होती है। इस बीच, एक अन्य अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार ने जद (यू) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को ‘जेड’ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। हालांकि, सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की सुरक्षा घटा दी है, जिन्हें पहले ‘जेड-प्लस’ सुरक्षा प्राप्त थी। सिन्हा को अब ‘जेड’ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस का रुख ‘सामंती मानसिकता’ : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस पर महिलाओं के साथ ‘‘विश्वासघात’’ करने का शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए लाए गए संविधान संशोधन विधेयक के संसद के निचले सदन में पारित नहीं होने के बाद विपक्षी पार्टी जश्न मना रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर आरोप लगाया कि वे विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलने पर खुशी मना रहे हैं, जबकि विभिन्न दलों की महिला नेता दशकों से इसकी मांग कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया, ‘‘कांग्रेस पार्टी ने गर्व से मुस्कुराते हुए, मेजें थपथपा कर, आम महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचले जाने का जश्न मनाया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस बात का जश्न मनाया कि जिन महिलाओं ने वर्षों तक राजनीति में संघर्ष किया है और जो संसद में केवल 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रही थीं, उन्हें उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया।’’ लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। ईरानी ने दावा किया कि कांग्रेस ने हाल के एक संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने के सपने को लगभग 98 वर्षों तक पोषित करने का श्रेय लिया। हालांकि, उन्होंने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद में हुई घटनाओं ने पार्टी के असली इरादे को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा, ‘‘संवाददाता सम्मेलन में ऐसा प्रदर्शित किया गया था कि पार्टी (कांग्रेस) ने देश की महिलाओं पर 98 वर्षों तक कोई बड़ा उपकार किया है, लेकिन इन 98 वर्षों में उस सपने का क्या हश्र हुआ? इस देश की महिलाओं ने शुक्रवार को संसद में यह देख लिया।’’

महिला सशक्तीकरण पर कांग्रेस का ‘दोहरी सोच’ देश के सामने उजागर हुई : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि महिला सशक्तीकरण पर कांग्रेस की ’दोहरी सोच देश के सामने’ उजागर हो गई है।

वह संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पर कांग्रेस के विरोध का जिक्र कर रहे थे। इस विधेयक का पारित होना नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को लागू करने के लिए आवश्यक था। हालांकि, शुक्रवार को यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, ‘‘महिला सशक्तीकरण पर ढोंग करने वाली कांग्रेस की दोहरी सोच अब पूरे देश के सामने है। विपक्ष महिलाओं की प्रगति की राह में हमेशा बाधा बनकर खड़ा रहा है।’’ उन्होंने कहा कि क्या देश की आधी आबादी को उनकी आवाज देना इतना मुश्किल था?

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ‘‘महिलाओं के सशक्त होने और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने की संभावना से घबराकर, असुरक्षित विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन का समर्थन नहीं किया।’’ उन्होंने कहा, ‘‘संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के दौर में महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी की गई और आज विपक्ष में रहते हुए भी वही सोच फिर दिखाई दे रही है।’’

विरासत प्रेमियों ने पटना के ऐतिहासिक सुल्तान पैलेस को ‘ढहाए’ जाने की आशंका जताई, लोगों में आक्रोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/नई दिल्ली/भाषा। बिहार मंत्रिमंडल ने पटना के मध्य में स्थित प्रतिष्ठित सुल्तान पैलेस की एक सदी से अधिक पुरानी ऐतिहासिक संरचना को संरक्षित रखते हुए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत पांच सितारा हेरिटेज होटल के निर्माण के प्रस्ताव को 10 सितंबर 2024 को मंजूरी दी थी। लेकिन एक रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद विरासत प्रेमियों ने आशंका जताई है कि सुल्तान पैलेस को ‘ढहाया’ जा सकता है।

राज्य सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उसी दिन संवाददाता सम्मेलन में इस फैसले की घोषणा की थी, जिसका पटना के विरासत प्रेमियों और निवासियों ने स्वागत किया था।

हालांकि, लंबे समय से अटकी इस परियोजना पर कोई खास प्रगति नहीं हुई है, जिसे पहली बार राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा 2017 की शुरुआत में सार्वजनिक किया गया था और जिसके पूरा होने पर यह बिहार का पहला हेरिटेज होटल बन जाता। फिर भी, इसके संबंध में राज्य सरकार के कला और संस्कृति विभाग के सचिव की अध्यक्षता में ‘‘लगभग पांच महीने पहले’’ एक ‘‘समिति’’ का गठन किया गया था।

हालांकि, विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) से कुछ दिन पहले, 16 अप्रैल को पटना के एक प्रमुख हिंदी दैनिक में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि समिति ने ‘‘पाया’’ है कि सुल्तान पैलेस, जिसे 1922 में दिग्गज वकील सर सुल्तान अहमद ने अपने निवास के रूप में बनवाया था, ‘‘विरासत भवन के रूप में सूचीबद्ध नहीं है।’’

इस रिपोर्ट ने विरासत स्थलों के संरक्षण के पैरोकारों में आक्रोश पैदा कर दिया है और उन्होंने आशंका जताई कि पांच सितारा होटल परियोजना के लिए इस प्रसिद्ध इमारत को ध्वस्त किया जा सकता है। इस इमारत का स्वामित्व वर्तमान में बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के पास है।

विधेयक के पारित नहीं होने से कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की नारी विरोधी मानसिकता उजागर हुई : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में ‘संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026’ के पारित नहीं हो पाने पर विपक्षी दलों को निशाना बनाते हुए कहा कि नारी शक्ति के लिए जरूरी संविधान संशोधन विधेयक को पारित न होने देना कांग्रेस के नेतृत्व वाले ‘इंडिया’ गठबंधन की नारी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। आदित्यनाथ ने शुक्रवार मध्यरात्रि को ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘आज भारत के महान लोकतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया।’’ उन्होंने कहा, ‘‘ ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ के लिए जरूरी संविधान संशोधन विधेयक को पारित न होने देना ‘भारत माता’ के सम्मान पर आघात है। देश की समूची मातृशक्ति के साथ धोखा है। उनके लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है।’’ आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ‘‘कांग्रेस के नेतृत्व वाले ‘इंडी गठबंधन’ ने अपनी नारी विरोधी मानसिकता को दर्शाया है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘देश की नारी शक्ति सब देख और समझ रही है। वह इस छल एवं अन्याय को याद रखेगी तथा समय आने पर इसका उत्तर भी देगी।’’

केंद्र ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश की दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शनिवार को रेल मंत्रालय की लगभग 24,815 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में 403 किलोमीटर लंबी गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन और आंध्र प्रदेश में 198 किलोमीटर लंबी राजामुंदरी-विशाखापत्तनम तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। सरकार के एक बयान के अनुसार लाइन क्षमता में इस बढ़ोतरी से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। बयान में कहा गया, ‘‘इन रेल खंड पर पटरियों की संख्या लाइन बढ़ाने से परिचालन व्यवस्थित होगी और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।’’

भारत में 90% सिंथेटिक ट्रैक घटिया गुणवत्ता के हैं, एएफआई प्रमाणन प्रक्रिया में शामिल होगा

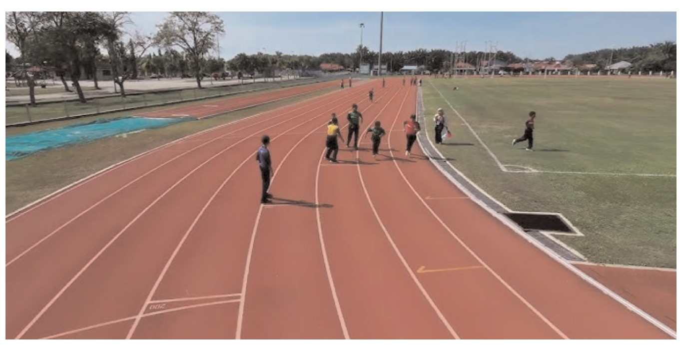

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में एथलेटिक्स के बुनियादी ढांचे को लेकर एक गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा करते हुए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा है कि देश में इस्तेमाल हो रहे लगभग 90 प्रतिशत सिंथेटिक ट्रैक मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

सुमरिवाला ने कहा कि यह समस्या केवल सामग्री की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया, मार्किंग और समग्र निर्माण मानकों में भी गंभीर खामियां हैं। उन्होंने बताया कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने इस मुद्दे पर एएफआई को सक्रिय भूमिका निभाने और स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। सुमरिवाला ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं किसी ट्रैक का नाम नहीं लूंगा, लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि भारत में 90 प्रतिशत से अधिक ट्रैक सामग्री, निर्माण प्रक्रिया और मार्किंग के लिहाज से मानकों से नीचे हैं। हमने टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स के साथ एक बैठक की थी (पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप के दौरान), जहां उन्होंने हमें कुछ आंकड़े दिखाए, जो काफी चौंकाने वाले थे। उन्होंने बताया, कुछ मामलों में स्थिति बेहद खराब है, जहां असली पॉलीयुरेथेन की जगह पुराने टायरों के रबर का उपयोग किया जा रहा है और ऊपर से केवल रंग चढ़ा दिया जाता है। ऐसे ट्रैक कुछ महीनों में ही खराब हो जाते हैं और उन पर प्रदर्शन करना मुश्किल हो जाता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति अब भी संवेदनशील, लेकिन नियंत्रण में : वाई खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन नियंत्रण में है। सिंह ने राज्य सचिवालय में असम राइफल्स आईजीएआर (दक्षिण) के साथ बैठक करने के बाद ये टिप्पणियां कीं।

मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, आज सचिवालय में आईजीएआर (दक्षिण) के मेजर जनरल गौरव शर्मा द्वारा दी गई ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की गई कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति संवेदनशील है लेकिन नियंत्रण में है, और सुरक्षा बल सभी प्रकार की गड़बड़ियों से अत्यंत सावधानी और संयम से निपट रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अशांति भड़काने वाली अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। बिष्णुपुर के ट्रोंगलाओबी में सात अप्रैल को हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद इंफाल घाटी के पांच जिलों में विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों के साथ झड़पों की खबरें सामने आईं। उन्होंने कहा कि सरकार न्याय सुनिश्चित करने और राज्य भर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

भाजपा का पतन शुरू हो गया, केंद्र सरकार अल्पमत में: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन में पारित करने में विफल रहने के बाद भाजपा का ‘‘पतन’’ शुरू हो गया है। हावड़ा के उलुबेरिया और दक्षिण 24 परगना के बरूइपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि शुक्रवार को संसद में हुए घटनाक्रम ने यह प्रदर्शित किया है कि भाजपा अपने बूते बहुमत वाली पार्टी नहीं रह गई है और यह दो सहयोगियों के समर्थन से सत्ता में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ‘‘कल साबित हो गया कि यह अब बहुमत वाली सरकार नहीं हैं। यह अल्पमत सरकार है। वे दो पार्टियों के समर्थन से किसी तरह इसे चला रहे हैं।’’

मुख्यमंत्री ने भाजपा की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सहयोगी दलों पर निर्भरता की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। बनर्जी ने सवाल किया कि महिलाओं के लिए आरक्षण को परिसीमन प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने पूछा, ‘‘इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है?’’ उन्होंने एक बंगाली मुहावरे का हवाला देते हुए दावा किया कि ‘‘केंद्र अपने असली इरादों को छिपाने की कोशिश कर रहा है।’’ पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, बनर्जी ने भाजपा को लोकसभा में मिली पराजय को एक व्यापक राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश की और इसे ‘‘राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पतन की शुरुआत’’ बताया।

तृणमूल प्रमुख ने उलुबेरिया में समर्थकों से कहा, ‘‘मोदी साहब का पतन कल दिल्ली में शुरु हुआ। लोकसभा में आप हार चुके हैं, अब आपको जमीनी स्तर पर शिकस्त मिलेगी। बंगाल उस ओर ले जाएगा।’’ अपने खास अंदाज में, बनर्जी ने राजनीतिक हमलों को व्यक्तिगत किस्सों के साथ मिलाकर पेश किया। महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग से लंबे जुड़ाव को याद करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह 1998 से इस मुद्दे के लिए संघर्ष कर रही हैं, भाजपा द्वारा इसे मुद्दा बनाने से बहुत पहले से। यह महिलाओं का विधेयक नहीं था। मैं 1998 से महिलाओं के लिए आरक्षण को लेकर संघर्षरत हूं। वे झूठ फैलाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।’’

तृणमूल सरकार के गिनती के दिन शेष बचे हैं : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शनिवार को राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए उसे अब अप्रासंगिक करार दिया और कहा कि इस सरकार के केवल गिनती के दिन शेष हैं।

तृणमूल शासन पर लोकतंत्र को कुचलने और कानून-व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए भट्टाचार्य ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक हिंसा भयावह स्तर पर पहुंच गई है, जबकि पुलिस ने इसपर आंखें मूंद रखी हैं। उन्होंने कहा, ‘‘राज्य की जनता लोकतंत्र की बहाली चाहती है। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है, जहां 2021 के चुनाव के बाद तृणमूल ने भाजपा के 253 पदाधिकारियों की हत्या कर दी।’’ भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ‘‘सैकड़ों महिलाओं से बलात्कार किए गए और उन्हें यातनाएं दी गईं। तृणमूल के ‘गुंडों’ द्वारा मचाई गई हिंसा लोकतंत्र पर हमला है।’’ उन्होंने याद दिलाया कि 2011 में ममता बनर्जी ने ‘लोकतंत्र की बहाली’ के नारे के साथ वाम मोर्चे के 34 वर्ष के शासन का अंत किया था। भट्टाचार्य ने कहा, लेकिन इसके तुरंत बाद, उनकी पार्टी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की गुंडागर्दी और बाहुबल को अपना लिया और अगले दो कार्यकाल तक आतंक का राज कायम किया।

राहुल और स्टब्स के अर्द्धशतकों से कैपिटल्स ने आरसीबी को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शनिवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को छह विकेट से शिकस्त दी।

सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को आठ विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए। टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। सॉल्ट ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए, लेकिन अक्षर पटेल (18 रन पर दो विकेट), कुलदीप यादव (32 रन पर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (39 रन पर दो विकेट) ने अन्य बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। मुकेश कुमार को भी एक सफलता मिली। सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए विराट कोहली (19) के साथ 31 गेंद में 52 रन और दूसरे विकेट के लिए देवदत्त पडिक्कल (18) के साथ 29 गेंद में 47 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन 11वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (17 गेंद में 26 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सका।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को भुवनेश्वर कुमार ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन झटके दिए। उन्होंने पहले ओवर में ही पथुम निसांका (एक) को पगबाधा आउट किया और तीसरे ओवर में करुण नायर (पांच) और समीर रिजवी (दो) को पवेलियन भेजा। राहुल ने दूसरे छोर से जोश हेजलवुड का स्वागत छक्के से किया और चौथे ओवर में रसिक सलाम के खिलाफ मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार चौका जड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बावजूद पांचवें ओवर में हेजलवुड के खिलाफ स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगाया और लगातार गेंदों पर चौके जड़कर दबाव को टीम पर हावी नहीं होने दिया। पावरप्ले में दिल्ली ने तीन विकेट पर 50 रन बना लिए। स्टब्स संभलकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि राहुल ने सुयश शर्मा के खिलाफ तीन चौके लगाकर रन गति को बनाए रखा और 30 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

सूर्यवंशी को अपने खेल का लुत्फ उठाने दे : संगकारा

कोलकाता/भाषा। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी के इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि इस किशोर खिलाड़ी को अपने खेल का आनंद लेते रहना चाहिए और उसके बारे में कम कहा जाए तो बेहतर है।

संगकारा ने कहा कि वैभव की आईपीएल यात्रा शानदार पारियों और सीखने के अनुभवों का मिश्रण है, और इस उम्र में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं। उन्होंने कहा, मेरा संदेश सरल है हर स्थिति का लुत्फ लो। चाहे 35 गेंदों में 100 रन हों, 15 गेंदों में 50 रन या पहली ही गेंद पर आउट होना। खेल में रन बनाना और आउट होना, दोनों ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंद में 175 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने मौजूदा आईपीएल सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुमराह और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ हेजलवुड जैसे गेंदबाज़ों पर भी आक्रामक प्रहार किए हैं।

सुविचार

अपनी योग्यता को पहचानें। हर इंसान के भीतर एक विशेष हुनर होता है, बस उसे तराशने की जरूरत है।

ट्वीट

कांग्रेस पार्टी का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के प्रति उपेक्षापूर्ण रहा है। शाहबानो प्रकरण इसका स्पष्ट उदाहरण है, जब कांग्रेस सरकार ने संविधान में बदलाव कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बना दिया और एक महिला को न्याय से वंचित कर दिया।

-मदन राठौड़

यह बहुत दुख की बात है कि संविधान बिल-2026 आज लोकसभा में पास नहीं हो पाया। यह सिर्फ़ एक बिल की हार नहीं है, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों और उनके मज़बूत भविष्य के सपनों पर एक झटका है।

-वसुंधरा राजे

कहानी

सुधीर कुमार सोनी
मोबाइल 9826174067

झुमरू चाय वाला

कल जब सूखी रोटी थाली में दूँगी, तब मत कहना मुझे कुछ? तीन दिन से कह रही हूँ कि सामान ला दो पत्नी ने बेटे के सामने ताना मारा मुझे। बेटे से बाजार जाकर कुछ भी सामान लाना नहीं होता है। रसोई घर की कुछ जरूरी चीजें खत्म हो गई थी। मैंने भी लापरवाही दिखाई थी, और अधिक ताना मुझे न सुनना पड़े यह सोचकर मैन थैला उठाया और गोल बाजार की तरफ निकल पड़ा। लिस्ट में लिखे सामान को खरीदा और मेरे स्कूली मित्र मिट्ठूलाल की चाय की दुकान पर पहुँच गया। चाय की दुकान बाजार के पास ही थी। मैं जब जब बाजार आता हूँ तो मिट्ठूलाल की दुकान में मुफ्त की शानदार चाय जरूर पीता हूँ। बाजार में भीड़ थी,जो उसकी अपनी पहचान है। आड़ी तिरक्षी रखी गाड़ियाँ से बचते और लोंगो से टकराए बिना आप बाजार नहीं पहुँच सकते। मिट्ठूलाल की दुकान के समीप पहुँचकर मैंने आवाज लगाई भाई मिट्ठूलाल राम-राम कैसे हो, बहुत दिनों बाद बाजार आये हो तुम ? मिट्ठूलाल ने पूछा

मैं तो ठीक हूँ। तुम्हारी चाय की दुकान का क्या हाल है। झुमरू कहाँ है आजकल? मैंने पूछा झुमरू अपनी चाय की दुकान खोलने वाला है मिट्ठूलाल ने कहा।उसी समय टेबल में रखी मोबाइल की घंटी बजी। मिट्ठूलाल ने उठाकर बात की अरे भाई कोमल मैं स्वयं चाय लेकर आ रहा हूँ। झुमरू ने छोड़ दिया है इसलिए इतनी दिक्कत है मिट्ठूलाल ने फोन रखा और कहा तुम पाँच मिनट बैठो मैं दो जगह चाय देकर आता हूँ केतली और चाय लेकर वह स्वयं चला गया। कुछ समय बाद वह आया, साथ में एक लड़का भी था वह चाय सप्लाई वाला लड़का होगा, क्योंकि उसके हाथ में भी गिलास और बड़ा सा थर्मस था। मिट्ठूलाल दुकान के अपने काउंटर में आकर बैठा और उस लड़के को समझाया कि कहाँ कहाँ चाय देना है। थोड़ा सुस्ता कर बोला बढ़िया चाय बनाऊँ या यही चाय चल जायेगी?

यही चल जाएगी यार मैंने उसके कंधे पर हाथ रखकर कहा। थोड़ी देर रुक कर मैं ही बोला यार कुछ परेशानी सी झलक रही है तुम्हारे चेहरे पर? कुछ नहीं, जब से झुमरू ने छोड़ा है कुछ परेशान सा हूँ। मन स्थिर नहीं है मिट्ठूलाल ने कहा। क्या बात है, बताएगा भी? मैंने कहा।

जब से झुमरू गया है मेरी परेशानी बहुत बढ़ गई है। कुछ दिनों तक मैं खुद चाय पहुँचाता रहा। बड़ी मुश्किल से ये लड़के मिले, लेकिन ये भी अभी तक दुकानों तक नहीं पहुँच पाते हैं।जबकि इन्हें तीन महीने हो गए। इसी बीच एक ग्राहक को उसने ने चाय दिया। थोड़ी देर चुप रहा वह फिर बोला झुमरू ने जब मेरे यहाँ चाय सप्लाई का काम चालू किया था, मैं उसे साढ़े तीन सौ रुपये देता था। उसमें भी बेचारा खुश था।रविवार को उसे दस बीस रुपये देता रहा। वह उस समय बारह साल का था। मेरे दो सौ से ऊपर ग्राहकों को वह वर्षों से सम्हाल रहा था। पहले दुकानों के नौकर चाय बोलने आते थे। अब जब से मोबाइल आ गया मोबाइल से ऑर्डर आने लगे। उसने सब सम्हाल लिया। एक-एक ग्राहक के नाम, दुकानों के नाम उसे मुँह जुबानी याद थी। मुझ नालायक को देखो, इसी दुकान से मैंने घर बनवाया। दो बेटियों और एक बेटे का विवाह किया। इसमें मेहनत तो झुमरू ने भी बहुत किया। चाय के लिए दुकानों में दौड़ लगाई है। मैंने बीस साल में उसे साढ़े तीन सौ रुपये से साढ़े तीन हजार रुपये ही दे पाया। यह भी नहीं सोचा कि वह इतने पैसे में कैसे खर्चा चलाता होगा। इतना कहकर रुंआसा गया, उसके आँखे भींग गई। उसे यह कहते हुए सामने वाला दुकानदार भी सुना रहा था। अरे मगर इसमें रोने वाली क्या बात है मैंने उसकी पीठ को सहलाया। मुझे लगा कि उसके भीतर कुछ चरमराकर टूट रहा है और वह स्वयं टूटते देखे जा रहा है। सामने वाले दुकान के मालिक ने आवाज लगाई मिट्ठूलाल तुम बहुत नरम दिल हो, जो यह सोच रहे हो, मुझे संबोधित करते हुए उसने कहा भाईजी उस दिन भी मुझे यही कहानी सुनाकर रो पड़े थे। आजकल कौन अपने नौकर के विषय में इतना सोचता है। झुमरू भी बिलकुल ऐसा ही है, बहुत ईमानदार इतना कहकर वह अपने ग्राहकों को समान देने में उलझ गया। ऐसा नहीं था कि मिट्ठूलाल कंजूस है। बहुत दयालु भी है वह। हम दोनों एक दिन झुमरू को दुकान में बैठाकर पान ठेले में पान खाने गए थे। पान की दुकान के बगल में दवाई की दुकान है। हम पान वाले से बात कर ही रहे थे कि दवाई की दुकान में एक अधेड़ व्यक्ति आया। उसके पैर में प्लास्टर बंधा था, सर में पट्टी बँधी थी। उससे ढँग से चला नहीं जा रहा था। उसने बैसाखी का शायद पहली बार उपयोग किया हो। वह अपनी दवाई की पर्ची दुकान वाले को दी।दुकान वाले ने पैसे बता दिए। उसने जेब मे हाथ डाले और बोला पैसे कम हैं, आकर ले जाता हूँ । मिट्ठूलाल पान वाले की दुकान छोड़ दवाई की दुकान गया और बोला कितना हुआ है, इनको दवाई दे दो। मिट्ठूलाल ने दवा के सात सौ रुपये चुकाए और एक ऑटो वाले को उसके घर तक पहुंचाने का पैसा भी दिया था।

थोड़ी देर की चुप्पी के बाद मिट्ठूलाल बोला। मैंने कितनी ज्यादती की है उस गरीब पर मिट्ठूलाल ने अपने आँसू पोछते हुए कहा।

आज चार चार हजार के तीन नौकर हैं फिर भी काम नहीं हो पा रहा है। ये लोग अभी तक सभी दुकानों को नहीं पहचान पाएं हैं, जो अकेला मेरा झुमरू कर लेता था। झुमरू ने छोड़ने के बाद तुमसे कोई शिकायत की, कि पैसे कम देते थे? मैंने पूछा। नहीं, ना अभी और पहले कभी भी नहीं की कोई शिकायत मिट्ठूलाल ने बड़े आत्मविश्वास के साथ कहा मुझे अभी यह चिंता नहीं है कि पैसे कम आ रहे हैं। पैसे तो कुछ दिन बाद आ ही जायेंगे। लड़का नौकरी करता अच्छी खासी तनख्वाह है उसकी, पैसे की चिंता नहीं है। मुझे पश्चाताप है कि उस गरीब को मैंने कितना बड़ा धोखा किया है। मेरी पत्नी भी मुझसे नाराज है कह रही थी कि कुछ तो सोचना चाहिए था कि वह घर कैसे चलाता होगा, बेचारा।

जहाँ तक मिट्ठूलाल को मैं जनता वह किसी के पास चाय पीने के बाद अगर पैसे न हो तो वह कह देता जब कभी इधर से निकलो मन हो तो दे देना। नहीं भी दोगे तो कोई बात नहीं। झुमरू के दोस्त या रिश्तेदार चाहे जितने भी आ जाएं, वह कभी भी पैसा नहीं लेता था। ठण्ड और बारिश में खुद झुमरू मांगने वालों या किसी भी जरूरत मंद को बिना पैसे के चाय पिला देता था। मिट्ठूलाल ने कभी भी कोई नाराजगी नहीं जताई। यह बात पूरा बाजार जानता है ।

अभी क्या करने की सोच रहे हो मैंने कहा, मैं उसकी दुकान गया था, उसके पास शक्कर और शक्कर चायपत्ती छोड़ आया था। उससे कहा जो भी जरूरत हो मुझे बताना जरूर।

हम एक बार चाय पी चुके थे। उसने दूसरी बार चाय देते हुए कहा मैं उसके ब्याह की सोच रहा था। लड़की भी है, हमारे काम वाली बाई की, इसकी की जात बिरादरी की है। वह जानती है इसे वह बात मान जाएगी ? मैंने पूछा हाँ मुझे और पत्नी दोनों को बहुत मानती है वह मिट्ठूलाल ने पूरे विश्वास से कहा। एक बात कहूँ मैंने कहा तुम्हारे पास पैसा है, सब कुछ है तुम्हारे पास। तुम्हारा बेटा तो कभी इस दुकान में तो नहीं बैठने वाला कभी? वह तो कहता है क्या जरूरत है बैठने की मिट्ठूलाल ने कहा। एक बात मानोगे हाँ तुम झुमरू को यह दुकान दे दो। तुम आते-जाते रहो। उसे सम्हालने दो दुकान। जब कुछ जरूरत हो ले लेना,या तय कर लो खर्चे के बाद जो बचे उसे हिसाब से बांट लो मैंने अपने मन की बात कह दी। बिलकुल सही कह रहे हो तुम। कल मेरी पत्नि भी यही कह रही थी। मुझे ऐसा ही करना चाहिए । झुमरू भी बहुत खुश होगा मैंने महसूस किया कि उसके चेहरे की उदासी की परतें प्याज के छिलके की तरह धीमे-धीमे उतर रहीं हैं। मैं सामान लेकर वापस घर आ गया। गोल बाजार के व्यापारी संघ और सरकार के बीच की तकरार अखबार में रोज छप रही थी।

मिट्ठूलाल से मिल कर आए हुए मुझे दो हफ्ते हो गए थे। अचानक एक रात को साढ़े सात बजे घंटी बजी। बालकनी से झांका तो देखा झुमरू खड़ा था। नीचे उतरकर दरवाजा खोला तो झुमरू ने पैर पड़े और पीछे से मिट्ठूलाल ने हाथ हिलाकर पूछा क्या भाईजी ? तुम्हारे भतीजे का ब्याह है चार दिन बाद, सभी को आना है उस दिन मैंने देखा मिट्ठूलाल के चेहरे पर एक अलग सी चमक थी। हाँ भई झुमरू के दुल्हा बनेगा तो नाचने जरूर आऊँगा। घर के सभी आएंगे। कार्ड देकर झुमरू और मिट्ठूलाल दोनों हँसते चले गए। मैं सोचने लगा झुमरू अब दुकान का मालिक बनने जा रहा है। उसने मेहनत की है। अब बाँस बाँसुरी बनने जा रहा है। बाँस से बाँसुरी बनने का सफर लम्बा था।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

असार का सार

मनुष्य के मानस में कभी न कभी यह प्रश्न अवश्य उठता है कि उसका जन्म क्यों हुआ है? क्या केवल जन्म लेने, जन्म को भोगने और जन्म को मरण तक ले जाने का माध्यम भर है मनुष्य? वस्तुत: जीवन समय का साक्षी बनने के लिए नहीं है अपितु समय के पार जाने की यात्रा है। अपार सृष्टि के पार जाने का, मानव देह एकमात्र अवसर है, एक मात्र माध्यम है। यह सत्य है कि एक जीवन में कोई बिरला ही पार जा पाता है, तथापि एक जीवन में प्रयास कर अगले तिरासी लाख, निन्यानवे हजार, नौ सौ निन्यानवे जन्मों के फेरे से बचना संभव है। मानव देह में मिले समय का उपयोग न हुआ तो कितना लम्बा फेरा लगाकर लौटना पड़ेगा!

जीवन को क्षणभंगुर कहना सामान्य बात है। क्षणभंगुरता में जीवन निहारना, असामान्य दर्शन है। लघु से विराट की यात्रा, अपनी एक कविता के माध्यम से स्मरण हो आती है-

जीवन क्षणभंगुर है,
सिक्का बताता रहा,
समय का चलन बदल दिया,
उसने सिक्का उलट दिया,
क्षणभंगुरता में ही जीवन है,
अब सिक्के ने कहा,
शब्द और अर्थ के बीच,
अलख दृष्टि होती है,
लघु से विराट की यात्रा
ऐसे ही होती है.. !

ज्ञान मार्ग का जीव मनुष्येतर जन्मों को अपवाद कर देता है, एक छलांग में इन्हें पार कर लौट आता है फिर मनुज देह को धारण करने, फिर पार जाने के लिए। मनुष्य जाति का आध्यात्मिक इतिहास बताता है कि ज्ञानशलाका के स्पर्श से शनै:-शनै: अंतस का ज्ञानचक्षु खुलने लगता हैं। अपने उत्कर्ष पर ज्ञानचक्षु समग्र दृष्टिवान हो जाता है महादेव-सा। यह दर्शन सम्यक होता है। सम्यक दृष्टि से जो दिखता है, अद्वैत होता है विष्णु-सा। अद्वैत में सृजन का एक चक्र अंतर्निहित होता है ब्रह्मा-सा। ज्ञान मनुष्य को ब्रह्मा, विष्णु, महेश-सा कर सकता है। सर्जक, सम्यक, जागृत होना, मनुष्य को त्रिदेव कर सकता है।

जिसकी कल्पना मात्र से शब्द रोमांचित हो जाते हैं, देह के रोम उठ खड़े होते हैं, वह 'त्रिदेव अवस्था' कैसी होगी! भीतर बसे त्रिदेव का साक्षात्कार, द्योतक है सृष्टि के पार का। असार है संसार। असार का सार है मनुष्य होना। सार का स्वयं से साक्षात्कार कहलाता है चमत्कार। यह चमत्कार दही में अंतर्निहित माखन-सा है। माखन पाने के लिए बिलोना तो पड़ेगा। माँ यशोदा ने बिलोया तो साक्षात श्याम को पाया।

संभावनाओं की अवधि, हर साँस के साथ घट रही है। अपनी संभावनाओं पर काम आरंभ करो आज और अभी। असार से केवल 'अ' ही तो हटाना है। साधक जानता है कि अ से 'आरंभ' होता है। आरंभ करो, सार तुम्हारी प्रतीक्षा में है।

विशेष

आखातीज : अबूझ मुहूर्त का मतलब मनमानी नहीं है

बाल मुकुन्द ओझा

अक्षय तृतीया या आखातीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। इस वर्ष आखातीज 19 अप्रैल को है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। इस दिन अबूझ सावे के कारण देशभर में लाखों की संख्या में विवाह होते है। मगर आखातीज का मतलब मनमानी नहीं है। लोग इस दिन अपनी कन्याओं का छोटी उम्र में विवाह कर देते है जो कानूनी दृष्टि से अपराध है। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह होते हैं जिनमें बाल विवाह शामिल हैं। बाल विवाह का अर्थ है छोटी आयु में शादी। अर्थात 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होना। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश में 2023 में करीब दो लाख बाल विवाह रोके गए लेकिन अब भी देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी कानूनी उम्र 18 साल से पहले कर दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह दरों में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, और इस उपलब्धि में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के मुताबिक 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हुई है। 25-29 वर्ष की आयु के 17.7 प्रतिशत पुरुषों की शादी 21 वर्ष की आयु से पहले हुई है। इसी भांति 2006 में बाल विवाह का प्रचलन 47 प्रतिशत था, जो 2019-21 में लगभग आधा होकर 23.3 प्रतिशत हो गया है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का प्रचलन राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

भारत में बाल विवाह की प्रथा का अनादिकाल से प्रचलन है। लाख कोशिशों के बाद भी हम इस कुप्रथा को समाप्त नहीं कर पाये हैं। सभ्य समाज के मुंह पर यह एक तमाचा है। यह मानव जीवन की सबसे बड़ी और दु:खदाई त्रासदी है। बाल विवाह की यह सामाजिक बुराई हिन्दी और अहिन्दी दोनों राज्यों में समान रूप से प्रचलित है। विशेषकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और पं. बंगाल में इसका सर्वाधिक बोलबाला है। शिक्षित और अशिक्षित दोनों समाज इसमें शामिल हैं।

छोटी आयु में विवाह का मुख्य कारण अशिक्षा गरीबी है। अभिभावक गरीबी के कारण अपनी बेटी का जल्दी विवाह कर एक सामाजिक दायित्व से निवृत्त होना चाहते हैं। नासमझी और अशिक्षित होने के कारण उन्हें यह ज्ञान नहीं है कि वे अपनी बेटी को एक अंधे कुंए की ओर धकेल रहे हैं जिसमें से वह ताउम्र नहीं निकल पायेगी। छोटी आयु में विवाह के कारण लड़की को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। खेलने-कूदने के दिनों में वह सेक्स की शुरूआती एवं प्रारम्भिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती रहती है। इसके अलावा बालिका वधु को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। शारीरिक रूप से अपरिपक्वता के साथ-साथ उसे शिक्षा से भी वंचित होना पड़ता है। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 में बाल विवाह घोर दण्डात्मक अपराध माना गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 40 प्रतिशत विवाह भारत में होते हैं। इनमें 49 प्रतिशत लड़कियों के विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हो जाते हैं। लिंग भेद और अशिक्षा को सबसे बड़ा कारण माना गया है। राजस्थान सहित बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पं. बंगाल आदि राज्यों में स्थिति सर्वाधिक खराब है। बाल विवाह आज भी ज्वलन्त समस्या के रूप में हमारे सामने है। यह अनादिकाल से चली आ रही है। सामाजिक मान्यता मिलने के कारण इसे बढ़ावा मिला। इसी कारण इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया। अशिक्षा एवं अंधविश्वासी समाज ने इस कुप्रथा को अपना लिया।

बाल विवाह को बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी माना गया है। जब तक बच्चे बालिग या समझदार न हो जायें और अपने भले-बुरे की पहचान के योग्य नहीं हो जायें तब तक बाल विवाह किसी भी स्थिति में नहीं किये जाने चाहिये। यह भी वैज्ञानिक परिणामों से स्पष्ट है कि बाल विवाह से अच्छे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा का अधिकार, खेलने-कूदने के अवसर हासिल नहीं होते। कच्ची उम्र में शादी होने से स्वास्थ्य एवं जननांगों पर खराब असर पड़ता है जिसे बच्चों को ताउम्र झेलना पड़ता है। यह भी सही है कि छोटी उम्र में विवाह से लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है। असुरक्षित यौन सम्बन्धों से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फलस्वरूप अनेक भीषण बीमारियों से ग्रस्त होना आम बात हो गई है। बाल विवाह के कारण बार-बार गर्भधारण और असमय गर्भपात का सामना करना पड़ता है। नवजात शिशु के भी अकाल मौत का शिकार होने का अन्देशा बना रहता है। कुपोषण एवं खून की कमी से मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

लड़की की भटकती आत्मा

कुछ साल पहले ताहिरा नामक एक लड़की एक दुर्घटना में मौत का शिकार हो गई थी। लेकिन उसकी हर बरसी के बाद पुलिस को यह रिपोर्ट मिली कि किसी नीली साड़ी वाली लड़की ने अमुक स्थान पर रात में किसी मोटरकार को रास्ते में रोका और उसके चालक से पास की जगह पर लिफ्ट ' देने को याचना की । उस लड़की से मुलाकात के एक-दो दिन बाद ही वह कार चालक स्वयं भी किसी-न-किसी हादसे का शिकार होकर मौत के मुंह में चला गया। नीली साड़ी वाली इस रहस्यमय लड़की का पहला शिकार कराची का एक उद्योगपति हुआ। यह उद्योगपति आधी रात के बाद एक नाइट क्लब से निकलकर कार से अपने घर जा रहा था कि रास्ते में उसे एक नीली साड़ी वाली लड़की ने रोका। कार रुकी तो लड़की ने कहा--अगर आपको तकलीफ न हो, तो आप मुझे मेरे घर तक छोड़ दीजिए। उद्योगपति इसके लिए राजी हो गया। लेकिन जब उसने अपनी गाड़ी उस लड़की के बताए हुए मोहल्ले में रोकी तो उसने पाया कि लड़की कार से गायब थी।

उस नौजवान ने यह अनोखी घटना अपने कई दोस्तों को भी सुनाई । घटना के तीन-चार दिन बाद ही एक कार दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। इस घटना के कुछ दिन बाद ही एक मैकेनिक तथाकथित प्रेत छाया का शिकार हो गया। रात्रि के समय वह मैकेनिक कारखाने से अपना काम निबटाकर स्कूटर से अपने घर वापस लौट रहा था। रास्ते में उसे एक नीली साड़ी वाली लड़की ने रोका और उससे प्रार्थना की कि वह उसे पास की ही एक इमारत तक पहुंचा दे ।

बताया जाता है कि मैकेनिक पहले तो कुछ झिझका, लेकिन तभी उसकी निगाह लड़की की गर्दन के आसपास के कुछ जख्मों पर पड़ी और उसका हृदय पसीज उठा। रास्ते भर लड़की पूरी तरह मौन रही। स्कूटर के रुकने पर वह चुपचाप उससे उतर पड़ी और अभी मैकेनिक ने आगे बढ़ने के लिए अपना स्कूटर मोड़ा भी नहीं था कि वह पूरी तरह अदृश्य हो चुकी थी। आप पूछेंगे, मैकेनिक का क्या हुआ ? वह दो-चार दिन बाद ही अपने कुछ दोस्तों के साथ समुद्र में नहाने के लिए निकला और वहां पानी में डूबकर उसकी मृत्यु हो गई।

मैकेनिक के बाद एक पुलिस अधिकारी की बारी आई। तस्करी-नियंत्रण विभाग का यह वरिष्ठ अधिकारी एक रात कार से अपने घर वापस लौट रहा था। उसने देखा कि नीली साड़ी पहने एक लड़की उसे रुकने का इशारा कर रही थी। उसने अपनी गाड़ी रोक दी। लड़की ने उसे बताया कि वह एक दुर्घटना में जख्मी हो गई है और जल्दी-से- जल्दी अपने घर पहुंचना चाहती है। पुलिस अधिकारी को उसने अपनी गर्दन पर हुए जख्म दिखाए।

आखिर वह उसे उसके घर तक लिफ्ट देने के लिए राजी हो गया। उसकी गाड़ी एक बंगले के सामने पहुंची, लड़की ने उसे वहीं रुकने का इशारा किया। लड़की के अंदर जाने पर अधिकारी ने एहतियातन उस बंगले का नंबर नोट कर लिया और फिर कार अपने गंतव्य की ओर मोड़ ली। दूसरे दिन उस लड़की के बारे में आवश्यक जानकारी लेने जब वह अधिकारी उस बंगले पर पहुंचा, तो वहां रहने वाले एक वृद्ध सज्जन ने कहा कि संदिग्ध लड़की का हुलिया बिल्कुल उसकी अपनी बेटी ताहिरा जैसा है।

उसने बताया कि बरसों पहले एक दिन ताहिरा अपने भाई के साथ सैर करने के लिए निकली थी। आधी रात के बाद जब वह वापस लौट रहे थे तभी उनकी कार एक बिजली के खंभे से जा टकराई। लड़का तो बच गया लेकिन ताहिरा ने वहीं दम तोड़ दिया। लेकिन बूढ़े पिता की यह कहानी सुनने के बाद पुलिस- अधिकारी पर क्या बीती ? तीन-चार दिन बाद ही तस्करों के एक गिरोह को पकड़ने की कोशिश करते हुए वह गोलियों का शिकार हो गया।

वीर गाथा

हवलदार जयपाल सिंह: शरीर से खून बहता रहा, लेकिन बंदूक आग उगलती रही

हवलदार जयपाल सिंह का जन्म उत्तराखंड के हरिद्वार में हुआ था। माता सावित्री देवी और पिता भोपाल सिंह ने उन्हें अनुशासन, साहस और देशभक्ति के संस्कार दिए थे। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए। उन्हें 17 गढ़वाल राइफल्स में शामिल किया गया था।

जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा तो सेना ने जयपाल को 14 आरआर में भेज दिया। वे साल 2002 में पुलवामा जिले के ऐथमुल इलाके में अपनी यूनिट के साथ तैनात थे। उस समय यह इलाका आतंकवादियों का गढ़ बना हुआ था। 13 अप्रैल को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि ऐथमुल के एक मकान में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद सेना ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

जयपाल को भी उस टीम में शामिल किया गया था। शाम लगभग सवा पांच बजे जवानों ने उस मकान की घेराबंदी कर दी। इस दौरान आतंकवादियों ने वहां से भाग निकलने की कोशिश की। उन्होंने जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी भी की। इससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

जयपाल ने अपने साथी जवानों को खास ठिकानों पर तैनात कर दिया था, जिससे आतंकवादियों के लिए सारे रास्ते बंद हो जाएं। सूरज ढल रहा था और अंधेरा होने वाला था, इसलिए आतंकवादियों का जल्दी खात्मा करना जरूरी था।

हवलदार जयपाल रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े। उधर, बुरी तरह घबराए आतंकवादी ग्रेनेड फेंक रहे थे। एक ग्रेनेड जयपाल के पास आकर फटा, जिससे वे घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वे लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। उन्होंने आतंकवादियों की ओर गोलीबारी जारी रखी। वे अपने एक साथी की मदद के लिए भी गए।

इस दौरान उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया। एक आतंकवादी ने उन पर ग्रेनेड फेंका। इससे जयपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके शरीर से खून बह रहा था, लेकिन वे आतंकवादियों पर गोलियां चला रहे थे।

हवलदार जयपाल के साहस और शौर्य के कारण वह अभियान सफल रहा। आतंकवादी मारे गए।

दु:खद यह रहा कि जयपाल को नहीं बचाया जा सका। वे भारत मां के लिए बलिदान हो गए। उन्होंने निडरता के साथ अपना कर्तव्य निभाया। उनके बलिदान को देशवासी नमन करते हैं। हवलदार जयपाल सिंह को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नौसेना के पूर्व अधिकारी तिवारी एक अन्य मामले में कतर की जेल में बंद, छुड़ाने के प्रयास जारी : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के एक पूर्व अधिकारी पुर्णेंदु तिवारी एक अलग मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण कारागार में हैं। वह, उन आठ लोगों में शामिल हैं जिनकी सजा 2023 में कतर की अदालत ने कम कर दी थी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने हालांकि तिवारी के परिवार द्वारा किए गए कुछ दावों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार पहले ही पूर्णेंदु तिवारी के क्षमादान का मुद्दा कतर सरकार के समक्ष उठा चुकी है और खाड़ी देश स्थित भारतीय दूतावास उनकी पत्नी के संपर्क में है तथा दूतावास के अधिकारियों ने जेल में उनसे कई बार मुलाकात की है।

तिवारी उन आठ पूर्व नौसेना कर्मियों में शामिल थे जिन्हें कतर के अधिकारियों ने 2022 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

कतर की अदालत द्वारा सजा कम किए जाने के फैसले के बाद अन्य सभी कर्मचारी भारत लौट आए, लेकिन तिवारी कतर में ही हैं। जानकारी के मुताबिक, तिवारी पर उनके पूर्व नियोक्ता, ओमान स्थित दहरा इंजीनियरिंग एंड सिक्योरिटी सर्विसेज की सहायक कंपनी से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप है। तिवारी की बहन मीतू भार्गव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार उनके भाई की वापसी सुनिश्चित करने में विफल रही। उन्होंने यहां तक कि दावा किया कि कतर के उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को एक फैसले में उनके भाई पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और उन्हें निर्दोष घोषित किया। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, मीतू भार्गव का यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है। तिवारी को ओमानी मालिक और एक अन्य कतरी अधिकारी के साथ कतर की अदालत ने सजा सुनाई है।

इसने कहा, यह फैसला फरवरी 2026 में आया था। 12 मार्च का फैसला एक अलग मामला है जो कंपनी के ओमानी मालिक द्वारा तिवारी के खिलाफ दायर किया गया था। सूत्र ने बताया कि सरकार ने तिवारी को हमेशा हरसंभव मदद दी है और आगे भी देती रहेगी।

इसने कहा, दूतावास तिवारी की पत्नी के संपर्क में है और हमारे अधिकारी उनसे जेल में कई बार मिल चुके हैं। हमने क्षमादान के लिए भी मामला उठाया है।

सूत्रों ने बताया कि जिस मामले में तिवारी को सजा सुनाई गई है, वह उस मामले से अलग है जिसमें भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद उन्हें और अन्य को रिहा कर दिया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता में कहा, नौसेना के आठवें पूर्व अधिकारी के खिलाफ एक विशेष मामला दर्ज है। उन्हें उसी मामले में हिरासत में लिया गया है। इसका पहले वाले मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

भार्गव ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कमांडर तिवारी नौसेना के सम्मानित अधिकारी हैं। बिना किसी गलती के ऐसे अधिकारी को जेल, अपमान और पीड़ा देना एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत शनिवार को नई दिल्ली में तीन दिन के स्पेशल सेशन के दौरान पार्लियामेंट हाउस कॉम्प्लेक्स में।

'आखिर कब तक इंतजार', महिला आरक्षण कानून के पास न होने से निराश खुशबू पाटनी

मुंबई/एजेन्सी

लंबी बहस और मतभेदों के बीच शुक्रवार को संविधान का 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया। यह बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन लाने के लिए लाया गया था, लेकिन बिल को पास करने के लिए दो-तिहाई वोट की आवश्यकता होती है। बिल को पास कराने के पक्ष में 298 वोट और विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम है। कुल मिलाकर महिला आरक्षण कानून पास नहीं हो पाया। अब राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई अपना पक्ष रख रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और फिटनेस कोच खुशबू पाटनी ने बिल न पास होने पर दुख जताया है। खुशबू पाटनी ने विरोध दर्ज कराया है कि कब तक सिर्फ महिलाएं ही सहती रहेंगी और अपने अधिकारों से वंचित रहेंगी। खुशबू का कहना है कि सालों से महिलाओं के हक में लाए जा रहे बिल के बारे में सुना, लेकिन इतने साल बीत गए लेकिन बिल लागू नहीं हो पाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सवाल किया कि कितना और इंतजार करना होगा। उन्होंने लिखा, कितना और इंतज़ार? कभी जनगणना ने रोका, कभी परिसीमन ने रोका, कभी किसी राजनीतिक बहस ने रोका। आज तक महिला आरक्षण बिल लागू नहीं हो सका। उन्होंने आगे लिखा, सबको पता है 2026 में परिसीमन फ्रीजिंग हट जाएगी, तब भी कोई समाधान नहीं। ये समस्या हमारी है या राजनीतिक पार्टियों की?? कितने साल और इंतजार करना होगा, 2035 तक। जब पैदा हुई तब सुना था, आज भी सुन ही रही हूं। ऐसा नहीं हो बुढ़ापे में भी सुनती रहूंगी। खुशबू पाटनी महिलाओं से जुड़े हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं।

पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्यूआर आधारित पहचान प्रणाली की शुरुआत

पहलगाम/भाषा। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से दहल गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा, जिसमें व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाहरी विक्रेता शामिल हैं। इस पहल को अनंतनाग जिले के लोकप्रिय पर्यटन रिसॉर्ट में आने वाले लोगों का भरोसा वापस लाने के लिए अधिकारियों का एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जहां पिछले साल 22 अप्रैल को भयावह आतंकी हमला हुआ था। बैसरन मैदान में हुए हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने कहा, हर सेवा प्रदाता की पुलिस ने ठीक से जांच की है, अधिकारियों ने उसे पंजीकृत किया है और उसे एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया गया है जिसमें उस व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण होगा। अधिकारियों ने कहा कि जब पर्यटक अपने मोबाइल फोन से कोड स्कैन करते हैं, तो वे उस व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल एक उचित और पंजीकृत पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करती है जो धोखाधड़ी को रोकेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति पर्यटन से जुड़े होने का दावा या काम नहीं कर रहा है।

सामने आई 'पति पत्नी और वो 2' की रिलीज डेट

मुंबई/एजेन्सी

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आयुष्मान खुराना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें अभिनेता जाल में फंसे दिख रहे हैं, जबकि चीता बाहर है। पोस्टर शेयर कर आयुष्मान ने लिखा, शिकारी खुद हो गया शिकार। अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ 'पति पत्नी और वो दो' के लिए तैयार, क्योंकि यह 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक मजेदार रिलेशनशिप कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसमें आयुष्मान और सारा अली खान के साथ वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिका में हैं। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है जो प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मूवी आपको प्रजापति पांडे की दुनिया में लेकर जाएगी। इस कहानी में आपको ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस का तड़का देखने को मिलेगा। इस फिल्म को भूषण कुमार और रेणु रवि चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' का सीक्वल है। इस फिल्म ने उस समय बॉक्स ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसे देखते हुए फिल्म को फिर से नई कहानी और किरदारों के साथ रिलीज किया जाएगा। देखना होगा कि दर्शक इस फिल्म को कितना प्यार देते हैं। 'पति पत्नी और वो' में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर, और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे, जो कानपुर के एक इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध और उसके बाद की कॉमेडी को दर्शाती है। यह एक हल्की-फुल्की फिल्म है जो वैवाहिक जीवन की जटिलताओं को दिखाती है। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म मॉडर्न जमाने के रिश्तों, रोमांस और गलतफहमियों पर आधारित थी।

फिल्म में कानपुर के एक सरकारी इंजीनियर (कार्तिक) की शादी (भूमि) से होती है, जो अपनी शादी से बोर होकर दूसरी महिला (अनन्या) की तरफ आकर्षित हो जाता है।

भक्ति में लीन दिखीं शिल्पा शेट्टी, त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा में स्थित प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर के दर्शन किए। यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस खास पल को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी साझा किया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिल्पा ने वीडियो और फोटो पोस्ट की। वीडियो में वह देवी त्रिपुरासुंदरी की मूर्ति के सामने श्रद्धा भाव से पूजा करती नजर आ रही हैं। इसमें मंदिर के गर्भगृह की सुंदर झलक देखने को मिल रही है।

तस्वीर में शिल्पा अपनी दो करीबी दोस्तों के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। तीनों पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। शिल्पा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है।

इसके साथ लाइट ज्वेलरी और माथे पर बिंदी लगाकर अपने लुक को पूरा किया। मंदिर परिसर में दोस्तों के साथ उन्होंने कैमरे के लिए पोज दिया। अगर शिल्पा शेट्टी के करियर की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने साल 1993 में आई फिल्म 'बाजीगर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह कई सफल फिल्मों में नजर आईं। शिल्पा ने 'धड़कन', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'जानवर' और 'इंडियन' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने 'इंडियन पुलिस फोर्स' जैसे प्रोजेक्टस के जरिए ओटीटी पर भी राज किया।

वह अब जल्द ही फिल्म 'केडी द डेविल' में नजर आने वाली हैं। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर ड्रामा है। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के अलावा, ध्रुव सरजा, संजय दत्त, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय की फिल्म 'जन नायकन' पर बड़ा फैसला, मद्रास हाईकोर्ट ने वेबसाइट और केबल टीवी रिलीज पर लगाई रोक

मुंबई/एजेन्सी

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता और टीवीके के प्रमुख विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने सख्त कदम उठाया है। अदालत ने इस फिल्म के डिजिटल और केबल टीवी रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह फैसला उस समय आया, जब फिल्म को लेकर पहले से ही सेंसर बोर्ड की प्रक्रिया और कानूनी विवाद चल रहे थे। दरअसल, फिल्म को पहले पोंगल के मौके पर रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन तभी सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) ने इसमें कुछ आपत्तियां उठाईं। बोर्ड का कहना था कि फिल्म में मिलिट्री से जुड़े कुछ सीन्स हैं और कुछ हिस्से ऐसे हैं, जो समाज में तनाव या गलत संदेश पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से फिल्म को सीधे सर्टिफिकेट देने की बजाय रिवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया गया, ताकि इसकी दोबारा जांच हो सके। इस फैसले से असंतुष्ट होकर फिल्म के निर्माताओं ने अदालत का रुख किया। पहले एक सिंगल जज ने सेंसर बोर्ड को आदेश दिया था कि फिल्म को तुरंत सर्टिफिकेट दिया जाए, लेकिन इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई। इसके बाद एक डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के आदेश को रद्द कर दिया और मामला फिर से उसी जज के पास भेज दिया, ताकि फिर से विचार किया जाए। इस कानूनी प्रक्रिया के चलते फिल्म की रिलीज लगातार अटकती चली गई। इसी बीच प्रोडक्शन टीम ने वह मामला वापस ले लिया, जो पहले सिंगल जज के सामने चल रहा था। इसके बावजूद, फिल्म सेंसर बोर्ड की रिवाइजिंग कमेटी के पास जांच में बनी रही। इसी दौरान फिल्म से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया।

प्रचार

एक्टर और भाजपा लीडर मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन से पहले दुर्गापुर वेस्ट असेंबली सीट से इगझ कैंडिडेट लक्ष्मण चंद्र घोरुई के सपोर्ट में शनिवार को पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में रोड शो किया।

अगले साल रिलीज होगी 'लव एंड वॉर', भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म 'सांवरिया' में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही : सायंतनी घोष

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो दर्शकों के दिलों में बस जाते हैं। खासतौर पर जब कोई किरदार भावनाओं, रिश्तों और संघर्षों से भरा हो, तो वह लोगों को अपनी जिंदगी से जुड़ा हुआ महसूस होता है। ऐसे ही एक मजबूत किरदार को इन दिनों दर्शक टीवी शो 'जगधात्री' में देख रहे हैं, जिसे अभिनेत्री सायंतनी घोष निभा रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने किरदार और उससे जुड़ी भावनाओं को साझा किया। शो की कहानी इन दिनों एक अहम मोड़ पर है, जहां रिश्तों, सच्चाई और धोखे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। हाल के एपिसोड्स में रुद्र (आयुष श्रीवास्तव) शिवाय पर गोली चला देता है। शिवाय का किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं। वहीं जगधात्री (सोनाक्षी बत्रा) को पूरा यकीन होता है कि इस हमले के पीछे रुद्र ही है। वह सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके पास पुख्ता सबूत नहीं होते, क्योंकि रुद्र बेहद चालाकी से अपने सारे निशान मिटा देता है। इसी बीच माया देशमुख (सायंतनी घोष) का किरदार कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। माया, जो रुद्र की बहन है, अपने भाई के खिलाफ लगे आरोपों को मानने से साफ इनकार कर देती है। वह अपने परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहती है और किसी भी हाल में उसे टूटने नहीं देना चाहती। माया के दिल में जगधात्री और शिवाय के लिए भी इमोशन्स हैं, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार को प्राथमिकता देती है।

सायंतनी घोष ने कहा, ''माया का रोल मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक है। यह किरदार सिर्फ ऊपर से मजबूत नहीं दिखता, बल्कि इसके अंदर कई तरह की भावनाएं और उलझनें हैं। माया एक ऐसी महिला है, जो हर हाल में अपने परिवार की रक्षा करना चाहती है और यही बात मुझे इस किरदार से जोड़ती है। हाल के एपिसोड्स में जिस तरह माया अपने परिवार को बचाने के लिए हर हद तक जाने को तैयार दिखती है, वह मुझे बहुत करीब से महसूस होता है।'' सायंतनी ने कहा, ''असल जिंदगी में भी मैं अपने परिवार के लिए हमेशा खड़ी रहती हूं। जैसे माया मुश्किल समय में मजबूत रहती है, वैसे ही मैं खुद भी कठिन परिस्थितियों में हिम्मत नहीं हारती हूं।

माया के कुछ गुण ऐसे हैं, जिन्हें मैं अभी सीख रही हूं। एक कलाकार को इस तरह के किरदार बहुत कम मिलते हैं, जो इतना कुछ सिखाते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, '''जगधात्री' जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी खास है, क्योंकि इसकी कहानी अलग और नई सोच के साथ पेश की गई है। यह शो रिश्तों और फैसलों की जटिलता को दिखाता है। यही वजह है कि मैं अपने काम से ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हूं और हर दिन कुछ नया सीखती हूं।'' आने वाले एपिसोड्स में कहानी और भी दिलचस्प होने वाली है। जगधात्री रुद्र के खिलाफ सबूत जुटाने की कोशिश करती नजर आएगी और साथ ही मूसा को ढूंढने की भी कोशिश करेगी। लेकिन कहानी में एक नया मोड़ तब आता है, जब शिवाय खुद पुलिस को बता देता है कि रुद्र ने उसे गोली नहीं मारी। इस बयान के बाद मामला और उलझ जाता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

|| जय महावीर ||
|| जय गुरु पारस ||

|| श्री आदिनाथाय नमः ||
|| पूज्य जयमल्लाय नमः ||

|| जय जिनेन्द्र ||
|| जय गुरु पदम ||

आचार्य सम्राट 1008 पूज्य श्री जयमलजी म.सा.

बेंगलूरु नगर की धन्य धरा पर हस्तीनापुर नगरी में

श्री श्रेयांस पारणा समिति

के तत्वावधान में

375 वर्षीतप तपस्वी

सामूहिक अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव

सकल श्री संघ को सस्नेह निमंत्रण

जय आचार्य पद प्रदान दिवस | **आचार्य लाल स्मृति दिवस**

पावन सानिध्य जयगच्छाधिपति संघ सुमेरु, व्याख्यान वाचस्पति, उग्र विहारी, वचन सिद्ध साधक, आशुकवि, अनुशासन प्रेमी, बारहवें पट्टधर पूज्य आचार्य प्रवर **1008 श्री पार्श्वचंद्रजी म.सा.**
एस. एस. जैन समणी मार्ग के प्रारम्भकर्ता, प्रवचन प्रभावक बारह व्रतों के प्रबल प्रेरक, अणुप्पेहा ध्यान प्रणेता, युवामनीषी, **डॉ. श्री पदमचंद्रजी म.सा.** आदि ठाणा 6 एवं एस. एस. जैन समणी प्रमुखा श्री श्रीनिधिजी आदि ठाणा

मांगलिक कार्यक्रम

रविवार 19 अप्रैल 2026

सायं 6:30 बजे से : **संगीत सम्राट श्रेणिकजी नाहर समर्पण भक्ति समूह, चेन्नई** द्वारा
तप अनुमोदनार्थ भक्ति, सांस्कृतिक कार्यक्रम
एवं **मुमुक्षु श्री संजयजी पुंगलिया का अभिनंदन**

स्थलः श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र
ईटा गार्डन अपार्टमेन्ट के पास, बिन्नी मिल रोड, मागड़ी रोड, बेंगलूरु

सोमवार 20 अप्रैल 2026

* प्रातः 7 बजे से : **अल्पाहार**
* प्रातः 8:30 बजे : **तपस्वियों की शोभा यात्रा**
* प्रातः 11 बजे से : **तपस्वियों का वर्षीतप पारणा**
* प्रातः 8 बजे : **नगरियों का उद्घाटन**
* प्रातः 9:30 बजे से : **प्रवचन**
* प्रातः 11:30 बजे से : **गौतम प्रसादी**

स्थलः हस्तिनापुर नगरी (त्रिपुरा वासिनी)
गेट नं. 2, पैलेस ग्राउण्ड्स, बेल्लारी रोड, बेंगलूरु

भरत चक्रवर्ती गौतम प्रसादी के लाभार्थी
साधर्मिक बंधु

* इक्षुरस के सम्पूर्ण लाभार्थी *
श्रीमती सज्जनदेवी, विजयकुमारजी, भागचन्दजी जम्बुकुमारजी, महावीरजी एवं समस्त श्रीश्रीमाल परिवार (गिरी ब्यावर) बेंगलूरु - चाइना
VIKAS HARDWARE, Bengaluru

* कुन्डलपुर नगरी के लाभार्थी *
श्रीमती शान्तिदेवी रातड़िया की प्रेरणा से उत्तमचन्दजी, पदमराजजी, मनिषजी, नितेशजी, राहुलजी, चिरागजी, रातड़िया परिवार (मरुधर में सोजत - पाली मारवाड़)
Suman Electric Udyog (P) Ltd., Bengaluru

* अयोध्या नगरी के लाभार्थी *
शान्तिलालजी - संगीताजी, लादुलालजी (MLA) - सीताजी, विशालजी - पायलजी, विजयजी - वैष्णवीजी, वैभवजी - पूजाजी पीतलिया परिवार, नाथड़ियास - बेंगलूरु
BHERU GARMENTS, Bengaluru

* राजगृही नगरी के लाभार्थी *
मिठालालजी - उगमादेवी, ज्ञानेन्द्रकुमारजी - अनिताजी, कमलेशजी - सरलाजी, कुणालजी - वर्षाजी, दिशा, जिया, प्रिशा, पहल, मकाणा बेंगलूरु (हाजीवास)
SAMYAKK, Bengaluru

* पावापुरी नगरी के लाभार्थी *
शा. धनराजजी माणकबाई सियाल की प्रेरणा से श्री कान्तीलालजी, रमेशजी, प्रवीणजी, प्रदीपजी, आशीषजी, तरुणजी, विनीतजी, प्रतीकजी सियाल परिवार
CAUVERY ENTERPRISES, Bengaluru

* वाराणसी नगरी के लाभार्थी *
श्री सुजानमलजी किशोरकुमारजी, दीपककुमारजी, संकेतजी कर्णावट परिवार, बेंगलूरु
SRI PARSHWANATH INDUSTRIES

* चम्पापुरी नगरी के लाभार्थी *
श्रेयांस पारणा समिति, हुब्बली

* द्वारिका नगरी के लाभार्थी *
श्रेयांस पारणा समिति, मैसूरु

जे.पी.पी. जैन समणी सेंटर, बेंगलूरु में एकांतर पारणा करवाने के वार्षिक लाभार्थी

श्री गौतमचन्दजी वसन्ताबाई बांठिया
श्रीमती भीखीबाई पूनमचन्दजी लुणावत परिवार
श्रीमती तारादेवी, प्रवीणजी चेतनजी दक
श्री देवराजजी गणपतराजजी पंकजकुमारजी कोठारी
श्री गौतमचन्दजी निशान्तजी तुषारजी मकाणा
श्री अजितमलजी पदमचन्दजी हंसराजजी भुरट
श्री उत्तमचन्दजी चुकीदेवी बाफना
श्री सुजानमलजी किशोरकुमारजी दीपकजी कर्नावट
श्रीमती कमलादेवी, श्री सुरेशजी शशिकलाजी बाफणा
श्री मनोहरलालजी जम्बूजी नवनन्दितजी लुंकड़
श्री कोमलचन्दजी मोहितजी धोका
मै. एम.आर.के. ग्रुप
श्री महेन्द्रजी ललितजी महावीरजी मेहता
श्री अशोकजी महेन्द्रजी कमलेशजी मुणोत
श्री मिठालालजी सुशीलकुमारजी जितेन्द्रजी कांसवा
श्री मोहनलालजी पारसमलजी भंवरलालजी पगारिया
श्री पारसमलजी ज्ञानचन्दजी राकेशजी लोढ़ा
श्री प्रवीणकुमारजी लक्षजी सुयशजी सियाल
श्री राकेशकुमारजी विक्रमजी राहुलजी गोलेछा
श्री महावीरचन्दजी विकासजी अमितजी चौरड़िया
श्रीमती संतोषदेवी विजयराजजी, केजल ललवानी
श्री सोहनलालजी लखपतराजजी अरविन्दजी मुणोत
श्री प्रकाशचन्दजी माणकचन्दजी अशोकजी बडेरा
श्री अरुणजी हेमन्तजी हसमुखलालजी गोटावत
श्री मिठालालजी विनोदजी मनोजजी लोढ़ा
श्री मोतीलालजी उगमराजजी कमलजी लुणावत

श्रीमती लीलादेवी घेवरचन्दजी कटारिया
श्रीमती भंवरीबाई हीराचन्दजी गुगलिया परिवार
श्रीमती संतोषदेवी, श्री चन्द्रप्रकाशजी सरिताजी चौरड़िया
श्री धनराजजी रमेशजी आशीषजी सियाल
श्री बी. गौतमचन्दजी कमलचन्दजी मनोजकुमारजी भंडारी
श्री अजितमलजी पदमचन्दजी हंसराजजी भुरट
श्री जम्बुकुमारजी श्रेयांशजी प्रिहानजी दुगड़
श्री जवाहरलालजी आशीषजी विराजजी ओस्तवाल
श्री कान्तीलालजी आनन्दजी अनिलजी सियाल
श्री किरणराजजी अमितकुमारजी कोठारी
श्री एल. विजयजी संजयजी अजयजी बाफणा
श्री महावीरचन्दजी मूलचन्दजी सिद्धार्थजी श्रीश्रीमाल
श्री महेन्द्रकुमारजी प्रसन्नकुमारजी मनोजकुमारजी भंसाली
श्री महावीरचन्दजी निर्मलचन्दजी मनीषजी नाहर
श्री मीठालालजी भरतकुमारजी मिशांतजी भंसाली
श्री नानालालजी राजेन्द्रजी अभिषेकजी कोठारी
श्री पन्नालालजी हुक्मीचन्दजी दिनेशकुमारजी भलगट
संघीवी श्री पुखराजजी राजेशकुमारजी श्रेयांशकुमारजी शाह
श्री उत्तमचन्दजी सुकनराजजी कांतीलालजी भलगट
श्री सम्पतराजजी अमृतलालजी अक्षयजी लुंकड़
श्री सम्पतराजजी प्रदीपजी दीपकजी सियाल
श्री सोहनलालजी नीरजकुमारजी बोहरा
श्रीमती ललिताजी सुरेशचंदजी कटारिया
श्री वसन्तराजजी सज्जनराजजी विशालजी पीतलिया
श्री रविकुमारजी लाभेशकुमारजी वशिष्टजी कांसवा
श्रीमती रंजनाबाई राजेन्द्रजी कोटरीया

श्री गुलाबचन्दजी प्रेमलता पगारिया
श्री भरतजी अरुणाजी मोदी परिवार
श्री जीतेन्द्रकुमारजी अभिनन्दनजी सिद्धार्थजी छाजेड़
साधार्मिक परिवार
श्री गौतमचन्दजी विमलचन्दजी अजीतजी बाघमार
साधार्मिक परिवार
श्री जसवन्तराजजी निलेशकुमारजी शौर्यजी छाजेड़
साधार्मिक परिवार
श्री आदर्शजी राजेशजी दीपकजी रांका सेठ
साधार्मिक परिवार, चेन्नई
श्री जीवराजजी मनोजजी राकेशजी सिसोदिया
साधार्मिक परिवार, चेन्नई
श्री इन्द्रचन्दजी शांतीलालजी संतोषकुमारजी सियाल
साधार्मिक बन्धु
श्री मोहनलालजी कांतिलालजी प्रकाशचन्दजी कांकरिया
साधार्मिक बहन
श्री हुक्मीचन्दजी प्रदीपकुमारजी विवेककुमारजी कोठारी
श्री रमेशकुमारजी पवनकुमारजी रुपेशकुमारजी सिसोदिया
श्री पुखराजजी गौतमचन्दजी सोहनलालजी डागा
श्री पारसमलजी सम्पतराजजी निरुपमजी देवड़ा
श्री प्रकाशजी आकाशजी टोडरवाल
श्री दिलीपकुमारजी निखिलजी बागमार
श्री सुरेशचन्दजी सुशीलजी विकासकुमारजी मेहता
श्री ताराचन्दजी कमलेशकुमारजी अजितकुमारजी सेहलोत
श्री उत्तमचन्दजी मनीषकुमारजी कोठारी
श्री मिश्रीमलजी अजितकुमारजी नवीनकुमारजी कटारिया

श्री अशोकजी जयश्रीजी मोदी
साधार्मिक परिवार
श्री बाबुलालजी मीठालालजी दिलीपजी पटवा
श्री गणेशमलजी रमेशकुमारजी सुरेशकुमारजी गुगलिया
श्री गुलाबदेवी मोहनलालजी भुरट जैन चेरिटेबल ट्रस्ट
देवानुप्रिय श्री लुणकरणजी जीवनीदेवी नाहर परिवार
श्री विजयराजजी जवरीलालजी गौतमचन्दजी बाघमार
श्री कैलाशकुमारजी महावीरजी प्रदीपजी रातड़िया मुथा
श्री बी. किरणचन्दजी नीरजकुमारजी बोहरा
श्री महासेनजी दक्षजी भण्डारी
श्रीमती लीलाबाई धनराजजी, श्वेता रुणवाल
श्री महेन्द्रकुमारजी आशीषजी विशालजी बाफणा
श्री महावीरजी नितेशजी जिनेशजी लुंकड़
श्री मिठालालजी उगमादेवी, ज्ञानेन्द्रकुमारजी मकाणा
श्री महावीरचन्दजी राजेशकुमारजी संकेशजी मुथा
श्री पारसमलजी अशोकजी राजेन्द्रजी खांटेड़
श्री प्रकाशजी दीपकजी अमितजी बेताला
श्रीमती संतोषबाई स्व. प्रकाशचन्दजी गोलेछा
श्री गौतमचन्दजी पदमाबाई कोठारी परिवार
श्रीमती सुगनीबाई मंगलचन्दजी आच्छा परिवार
श्री सोहनलालजी कान्तीलालजी राहुलजी चौपड़ा
श्री पारसमलजी दिलीपकुमारजी मनीषजी बोहरा
श्री भंवरलालजी शान्तिलालजी विमलजी पीतलिया
श्री तेजराजजी रमेशजी विमलकुमारजी बांठिया
श्री उत्तमचन्दजी पदमराजजी मनीषजी रातड़ीया
साधार्मिक बन्धु

जे.पी.पी. जैन समणी सेंटर, बेंगलूरु में एकांतर पारणा करवाने के दैनिक लाभार्थी

साधार्मिक बन्धु, बेंगलूरु
श्री इंदरचंदजी कोठारी, कोयंबत्तूर
श्री गौतमचंदजी दर्शजी गोलेच्छा, बेंगलूरु
श्री सौभागमलजी नेमीचंदजी रांका, बेंगलूरु
श्री महावीरचन्दजी श्रीपालजी बाँठिया, बेंगलूरु
श्री कांतादेवी शांतिलालजी गोलेछा, सिकंद्राबाद
श्री विनोदकुमारजी आनंदकुमारजी डागा, बेंगलूरु
श्री महावीरचन्दजी विजयराजजी गुगलिया, बेंगलूरु
श्री जसवंतराजजी कैलाशचंदजी देरासरिया, बेंगलूरु
श्री सज्जनराजजी प्रकाशचंदजी सिसोदिया, बेंगलूरु
श्री सुशीलाबाई पारसमलजी गन्ना, बेंगलूरु
श्री शांतीलालजी मुकेशकुमारजी भंसाली, बेंगलूरु
श्री सी. प्रकाशचन्दजी कांठेड़, बेंगलूरु
श्री शांतिलालजी दिनेशकुमारजी खिंवेसरा, बेंगलूरु

साधार्मिक बन्धु, बेंगलूरु
श्री विनोदकुमार एंड सन्स, बेंगलूरु
श्री महेंद्रकुमारजी अजयजी धोका, बेंगलूरु
श्री सज्जनराजजी गौतमजी सांखला, बेंगलूरु
श्रीमती भंवरीबाई चंपालालजी कोचेटा, बेंगलूरु
श्रीमती वर्षा गौतमचन्दजी सकलेचा, सिकंद्राबाद
श्री कालूरामजी राजेशकुमारजी गुलेछा, कोयंबत्तूर
श्री महावीरचंदजी सुमितकुमारजी ललवानी, बेंगलूरु
श्री पुखराजजी सुनीलकुमारजी गोलेच्छा, बेंगलूरु
श्री मदनलालजी अंशुलजी कातरेला, बेंगलूरु
श्रीमती सोहनकंवर मांगीलालजी तातेड़, बेंगलूरु
श्री मांगीलालजी श्यामलालजी गन्ना, बेंगलूरु
श्री डूंगरमलजी राहुलकुमारजी कटारिया, बेंगलूरु
श्री उत्तमचंदजी शान्तिलालजी भंसाली, कोयंबत्तूर

त्रिशला महिला मंडल, बेंगलूरु
श्री संजयजी प्रेरणाबाई दरड़ा, बेंगलूरु
श्री प्यारेलालजी महेंद्रकुमारजी गुंदेचा, चेन्नई
श्री नेमीचंदजी सुरेशचंदजी गुगलिया, बेंगलूरु
श्री मदनलालजी कमलाबाई ओस्तवाल, बेंगलूरु
श्रीमती सरोजबाई कांतिलालजी पुनमिया, बेंगलूरु
श्री मनमोहनजी ओमप्रकाशजी बोरुंदिया, बेंगलूरु
श्री मोहनलालजी गौतमचंदजी बोहरा, चेन्नई, बेंगलूरु
श्री रमेशकुमारजी नरेशकुमारजी सेमलानी, बेंगलूरु
श्री विमलचन्दजी वंशकुमारजी पीतलिया, वड़ी-बेंगलूरु
श्री मोहनलालजी उत्तमचंदजी टपरावत, चेन्नई
श्री महिपालजी हर्षकुमारजी सुराणा, बेंगलूरु
श्री मनसुखजी हितेशजी कटारिया, बेंगलूरु
श्री सुनिलकुमारजी मेहुलजी गादिया, बेंगलूरु

मल्लेश्वरम नवयुवक मंडल, बेंगलूरु
श्री अशोकजी महेंद्रजी मुणोत, बेंगलूरु
श्री सुभाषचन्दजी सुमितकुमारजी बुरड़, इन्दौर
श्री जयकांतभाई मेहता, ओकलीपुरम, बेंगलूरु
श्री हेमलताबाई दीपककुमारजी बालिया, बेंगलूरु
श्री सोहनलालजी संदीपजी विनायकिया, बेंगलूरु
श्री विजयराजजी नीरजकुमारजी गुगलिया, बेंगलूरु
श्री अशोककुमारजी नितिनकुमारजी रांका, बेंगलूरु
श्री राजकुमारीजी आशाबाईजी जैन, बेंगलूरु
श्री बाबुलालजी जयन्तीलालजी छाजेड़, बेंगलूरु
श्री बी. गजराजजी नवरत्नमलजी बोकाड़िया, सेलम
श्रीमती सरदारबाई-शांतिलालजी मुथा, बेंगलूरु
श्री हेमराजजी आकाशकुमारजी भंडारी, बेंगलूरु
श्री शांतिलालजी धर्मेन्द्रकुमारजी सियाल

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बेंगलूरु
श्री संपतराजजी धर्मीचंदजी छल्लाणी, चेन्नई
श्री इंदरचंदजी विनोदजी गुगलिया, बेंगलूरु
श्री तोलाचंदजी सुशीलादेवी कटारिया, बेंगलूरु
श्री बालचंदजी ऋषभकुमारजी पोखरना, बेंगलूरु
श्रीमती उमरावबाई प्यारेलालजी गुगलिया, बेंगलूरु
साधार्मिक बन्धु, बेंगलूरु
श्री गौतमचंदजी अनिलकुमारजी आंचलिया, बेंगलूरु
श्री घीसूलालजी विजयकुमारजी बोहरा, बेंगलूरु
श्री सज्जनराजजी जम्बूकुमारजी बोहरा, हलसूरु, बेंगलूरु
श्री कुशलराजजीसा गौरवकुमारजीसा गेलड़ा, बेंगलूरु
श्री रामलालजी विकासकुमारजी गन्ना, बेंगलूरु
श्री एस. पदमचंदजी संजयराजजी धोका, बेंगलूरु

संगीत जैन मंडल, राजाजीनगर, बेंगलूरु
श्री नथमलजी चंपालालजी मुथा, बेंगलूरु
श्री रुपेशजी यशकुमारजी टपरावत, बेंगलूरु
श्री चाँदमलजी पिन्टुकुमारजी सियाल, बेंगलूरु
श्री टीकमचंदजी नवीनकुमारजी हींगड़, बेंगलूरु
श्री विजयराजजी जवरीलालजी बाघमार, बेंगलूरु
साधार्मिक बन्धु, बेंगलूरु
श्री गौतमचंदजी अनिलकुमारजी गन्ना, बेंगलूरु
श्री सम्पतराजजी सुशीलकुमारजी धारीवाल, बेंगलूरु
श्री महावीरजी राकेशजी मेहता, बेंगलूरु
श्री मोहनलालजी मनोहरलालजी कटारिया, बेंगलूरु
श्रीमती वसंताबाई उगमराजजी दुधेड़िया, बेंगलूरु
श्री बाबुलालजी जयन्तिलालजी छाजेड़, बेंगलूरु

* निवेदक *

*** श्री श्रेयांस पारणा समिति, बेंगलूरु * श्री श्रेयांस पारणा समिति, हुबली * श्री श्रेयांस पारणा समिति, मैसूरु * श्री आदि श्रेयांस स्थानकवासी पारणा समिति, त्यागराजनगर, बेंगलूरु**

समणीवृन्द के साथ सामूहिक वर्षीतप करने वाले तपस्वी एवं समिति के कार्यकर्ता

श्री श्रेयांस पारणा समिति पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com